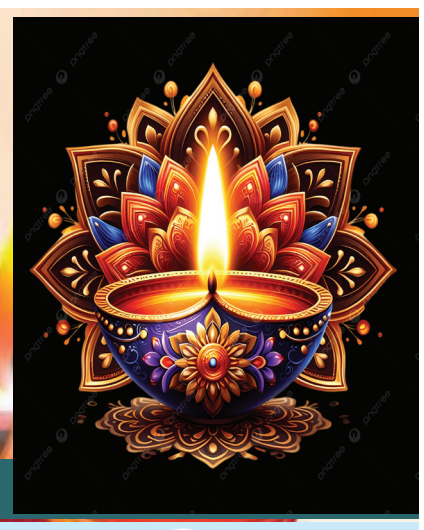
RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 264 , रविवार, 08 नवंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com





जिला परिषद की बैठक में विकास योजनाओं की हुई समीक्षा ... 03



छठ घाटों पर लाल कपड़े से चिह्नित होगी बैरिकेडिंग, डीएम ने दिए निर्देश... 04

फिल्म 'रामायण' में रावण की मां बनीं दिग्गज अभिनेत्री शोभना 07

दीपावली की बधाई



दीपपर्व दीपावली की सभी देश-प्रदेशवासियों, पाठकगण, विज्ञापन दाताओं व संवाददाताओं को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

अवकाश की सूचना

दीपपर्व दीपावली के अवसर पर दिनांक 8 नवंबर 2026 को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत : अगला अंक 10 नवंबर 2026 को प्रकाशित होगा।

संपादक

अबकी 'शेरथांग' में होगी रक्षामंत्री की दीवाली

भारतीय जवानों ने नाथुला से घुस रहे चीनी सैनिकों को खदेड़ा था

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार सुबह ही अपना शाम का प्लान बता दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी दी। वह बागडोगरा एयरफील्ड जाएंगे और फिर कल यानी 8 नवंबर को सिक्किम जाएंगे, जहां वह जवानों के साथ दीवाली मनाएंगे। शेरथांग युद्ध स्मारक में वह बलिदानी वीरों को श्रद्धांजलि भी देंगे।

शेरथांग सिक्किम के नाथूला दर्रे के पास वो जगह हैं, जहां करीब 60 साल पहले भारत-चीन की तीन दिन तक खूनी झड़प चलती रही। इस झड़प में भारतीय जवानों ने



चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को खदेड़ दिया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा- आज, दीपावली की पूर्व संध्या पर मैं दार्जिलिंग में बागडोगरा एयरफील्ड और सुकना (सिलीगुड़ी) में भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात करके उनसे बातचीत करूंगा। कल यानि दीपावली के दिन मैं सिक्किम स्थित शेरथांग युद्ध स्मारक जाकर देश की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा। साथ ही, इस क्षेत्र में तैनात हमारे सैनिकों से भी मुलाकात कर उनसे संवाद करूंगा।

शेरथांग नाथूला दर्रे के पास यहां है आईटीबीपी की चौकी

शेरथांग सिक्किम के गंगटोक जिले में नाथू ला दर्रे के पास स्थित एक कस्बा है। इस जगह को भारत और चीन के बीच व्यापार के लिए आबकारी, सीमा शुल्क और जांच केंद्र के रूप में चुना गया है। चीन की तरफ इसके सामने रिनकिंगैंग नाम की जगह है। शेरथांग में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की एक चौकी है, जो भारत-चीन सीमा कार्मिक बैठक बिंदुओं (पॉइंट्स) में से एक है। यहां इंडिया पोस्ट और चाइना पोस्ट के बीच हफ्ते में दो बार अंतरराष्ट्रीय डाक का आदान-प्रदान होता है। इसके अलावा, 1967 में नाथू ला और चो ला में हुई झड़पों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों और युद्ध नायकों की याद में शेरथांग में एक युद्ध स्मारक भी बना हुआ है।

कमजोर होते ट्रंप, मजबूत होता भारत

- अमेरिकी चुनावों के बाद बदल गए हैं समीकरण
- वॉशिंगटन की व्यापारिक रणनीति बेहद प्रभावित
- अब ज्यादा तेज हो सकती है ट्रेड डील की प्रक्रिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मिडटर्म चुनाव के नतीजों ने समीकरण बदल दिए हैं। इसने वॉशिंगटन और नई दिल्ली के बीच जारी व्यापार वार्ता को नया मोड़ दे दिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मिले राजनीतिक झटके के बाद अब माना जा रहा है कि पलड़ा भारत की तरफ झुक गया है। अमेरिका अपनी अंतरराष्ट्रीय पकड़ और साख दिखाने के लिए भारत के साथ ट्रेड डील को रफ्तार दे सकता है। वैसे एक्सपर्ट्स का कहना है कि एक तरफ जहां भारत को बेहतर मोलभाव का मौका मिलने की संभावना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियां



और अतिरिक्त टैरिफ की धमकियां कायम रहने की आशंका भी बनी हुई है। अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) और सीनेट दोनों पर कंट्रोल हासिल कर लेने से ट्रंप को बड़ा झटका लगा है। इस नए परिदृश्य पर थिंक टैंक के संस्थापक अजय श्रीवास्तव का मानना है कि घरेलू राजनीति में कमजोर पड़ने के बाद ट्रंप का फोकस व्यापार समझौतों पर बढ़ेगा। इससे भारत-अमेरिका के बीच लंबे समय से अटकी ट्रेड डील की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव हुआ कम

एमके रिसर्च के मुताबिक, चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के बाद ट्रंप के पास आक्रामक टैरिफ एजेंडा चलाने के मौके काफी हद तक सीमित हो गए हैं। इससे भारत पर जल्दबाजी में शर्तें मानने का दबाव कम होगा। इसके साथ ही नई दिल्ली ज्यादा अनुकूल शर्तों पर बातचीत कर सकेगी। वैसे एजेंसी ने यह भी चेताया है कि वॉशिंगटन की ओर से भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 17-19 फीसदी टैरिफ लगाने या रूसी क्रूड तेल की खरीद को मुद्दा बनाने की धमकियों का इस्तेमाल बातचीत में दबाव बनाने के लिए हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के चुनावी झटके के बावजूद अमेरिका का व्यापार को लेकर रुख सख्त बना रहेगा। प्रस्तावित समझौते में भारत की ओर से टैरिफ में कटौती की उम्मीद की जा रही है। वहीं, अमेरिका अपने मोस्ट फेवर्ड नेशन रेट्स को बरकरार रख सकता है। रिपोर्ट ने आगाह किया है कि यह व्यवस्था विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन कर सकती है। इससे भविष्य में भारत के मोलभाव की ताकत कमजोर पड़ने की आशंका है। सूत्रों और केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के मुताबिक, इस अंतरिम व्यापार समझौते को अमरिकी कांग्रेस की औपचारिक मंजूरी की जरूरत नहीं है। ज्यादातर चर्चाएं पूरी हो चुकी हैं। भारत अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच की डिमांड कर रहा है।

उत्तराखंड की राजनीति में 'दुष्कर्म' का तूफान!

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी भूचाल खड़ा हो गया है। 23 साल पुराने जेनी प्रकरण में महिला इन्दिरा डेंजी (जैनी) सामने आई है। उन्होंने हरक सिंह रावत पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जैनी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पहले



हरक सिंह रावत के सत्ता में रहने के कारण उसे केस न खुलने और जेल या पागलखाने भेजने की धमकी देकर सैकड़ों पुलिसवालों की मदद से भगा दिया गया था। साल 2002 का जिक्र करते हुए महिला ने बताया कि वह नौकरी की तलाश में एक कार्यकर्ता के जरिए तत्कालीन मंत्री हरक सिंह रावत के यमुना कॉलोनी स्थित आवास पर पहुंची थी, जहां हरक सिंह रावत ने उसे टिहरी भेजने के बजाय अपने ही घर पर रुकवा लिया था। जैनी मामले में महिला देहरादून पहुंची और प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पीएम मोदी पुंछ में जवानों के साथ मना सकते हैं दीवाली

परंपरा रखेंगे बरकरार,अभी दौरे की आधिकारिक पुष्टि नहीं

जम्मू (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार दीवाली पर जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिला पुंछ के दौरे पर आ सकते हैं। हालांकि, उनके संभावित दौरे को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि यह दौरा होता है तो प्रधानमंत्री नियंत्रण रेखा के पास तैनात सेना के जवानों के साथ दीवाली मना सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी का सीमा पर तैनात सैनिकों



के साथ दीवाली मनाने का सिलसिला पुराना रहा है। वर्ष 2014 में उन्होंने सियाचिन में जवानों के साथ दीवाली मनाई थी। इसके बाद 19 अक्टूबर, 2017 को उत्तरी कश्मीर के गुरेज सेक्टर, 27 अक्टूबर 2019 को राजौरी और चार नवंबर, 2021 को नौशहरा में सैनिकों के बीच पहुंचकर दीपावली मनाई थी। इन यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री ने जवानों से मुलाकात की,उनका उत्साह बढ़ाया और देश की सीमाओं की सुरक्षा में उनके योगदान तथा बलिदान की सराहना की। अब पुंछ में उनके संभावित दौरे को लेकर सीमावर्ती क्षेत्र में विशेष उत्सुकता है।

भारत को लेकर मोदी और मेरी सोच अलग

सोनिया बोलीं-राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस पहले जितना हंसती नहीं



नई दिल्ली (एजेंसी)। 'राजीव से मुलाकात के 60 साल बाद भी मैं वही इंसान हूं, बस अब पहले जितना हंसती नहीं।' कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव' में निजी जिंदगी से लेकर सियासी सफर तक के कई अनछुए पहलुओं पर बात की है। 10 नवंबर को लॉन्च होने वाली इस किताब पर 'द हिंदू' को दिए इंटरव्यू में उन्होंने राजीव-इंदिरा गांधी, 2004 में पीएम पद ठुकराने, इमरजेंसी और कांग्रेस के भविष्य पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भारत को लेकर मोदी और उनकी सोच अलग है। साथ ही आरोप लगाया कि पिछले 12 साल में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के मुताबिक सोनिया गांधी ने कहा, ऐसा नहीं था कि सिर्फ संजय ही जिम्मेदार थे।

इंदिरा गांधी ने अपनी समझदारी से कदम उठाए

उन्होंने आगे बताया कि उनके पति राजीव गांधी जो भी शिकायतें या प्रतिक्रियाएं सुनते थे, उन्हें अपनी मां तक पहुंचा देते थे। अंत में सोनिया ने कहा कि उनकी सास इंदिरा ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए। उन्होंने अखबार से कहा, मुझे लगता है कि आखिरकार मेरी सास ने अपनी समझदारी से स्थिति को समझना शुरू कर दिया था और उसे सुधारने के लिए कदम उठाए। जब उनसे पूछा गया कि क्या आपातकाल को लोकतंत्र-विरोधी और तानाशाहीपूर्ण दौर मानना सही नहीं होगा तो कांग्रेस नेता ने इस बात से सहमति जताई कि लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर दिया गया था।

सब संवैधानिक तरीके से किया गया था

सोनिया गांधी ने कहा, आपातकाल के बाद ही मुझे इस बात की असल गंभीरता का पता चला कि क्या कुछ हो रहा था। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित कर दिया गया था और बंदी प्रत्यक्षीकरण को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब संवैधानिक तरीके से किया गया था। सोनिया गांधी ने आपातकाल से पहले के बिगड़ते हालात गिनाए और कहा कि बाद में इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान हुई ज्यादतियों के लिए सार्वजनिक रूप से खेद जताया था। उन्होंने कहा, जब मैं खुद को उस दौर में ले जाती हूं और इंदिरा गांधी के नजरिए से देखने की कोशिश करती हूं तो पाती हूं कि वे तेजी से बिगड़ते हालात से निपटने के लिए संघर्ष कर रही थीं। यहां तक कि नौकरशाही और सशस्त्र बलों से आदेश न मानने का आह्वान भी किया जा रहा था।

टेक-महिंद्रा के पूर्व एशिया हेड की 9 गोलियां मारकर हत्या

फरीदाबाद (एजेंसी)। हरियाणा के फरीदाबाद में टेक महिंद्रा के पूर्व एशिया हेड परमजीत धनखड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि पड़ोसी मोनू शर्मा ने शुक्रवार रात अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उन पर करीब 15 राउंड फायरिंग की। परमजीत को 9 गोलियां लगीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, दोनों परिवारों में पार्किंग में कुत्ते को पॉटी कराने और गाड़ी पार्किंग को लेकर विवाद था। शुक्रवार रात परमजीत जिम से लौटे और अपनी तय जगह पर खड़ी मोनू की गाड़ी हटाने को कहा तो उसने गोलियां चला दीं। वारदात के बाद आरोपी परिवार समेत फरार हो गया। बेटे शौर्य की सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से कारतूसों के खोल मिले। परमजीत सिंगापुर में रहते थे। वे 5 नवंबर को भारत आए थे। उन्हें 24 नवंबर को भांजे की शादी में शामिल होना था। परमजीत का परिवार सेक्टर-21ए में रहता है।



ई 20 बना 420, पब्लिक की कार से पेट्रोल चोरी

राहुल बोले-20 की जगह 31.2 फीसदी एथेनॉल मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोल में तय सीमा से ज्यादा एथेनॉल मिलने के आरोप पर राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने ङ्क पर लिखा- 'ई 20 अब 420 बन गया है, जनता की गाड़ी से पेट्रोल चोरी हो रहा है।' राहुल के मुताबिक, कर्नाटक सरकार ने 7 जिलों से पेट्रोल के 14 सैंपल लेकर मान्यता प्राप्त लैब में जांच कराई। इनमें 11 सैंपल में एथेनॉल की मात्रा 20 फीसदी से ज्यादा मिली। इंडियन ऑयल के एक सैंपल में यह 31.2 और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सैंपल में 30.5 फीसदी थी। हालांकि, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने जांच के नतीजों पर सवाल उठाए हैं। कंपनियों का कहना है कि सैंपल की जांच तय कानूनी और तकनीकी मानकों के मुताबिक नहीं हुई।



तीन तेल कंपनियों ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कर्नाटक सरकार के विभाग ने दावा किया था कि राज्य के कुछ पेट्रोल पंपों पर बिक रहे पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा 26 से 31 फीसदी के बीच थी। इस पर इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने कहा कि कर्नाटक समेत देशभर में सप्लाई किया जा रहा ई 20 पेट्रोल भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तय मानक आईएस 17021 के मुताबिक है।

लॉरेंस गैंग से जुड़ा गैंगस्टर हैरी बॉक्सर अमेरिका में पकड़ाया

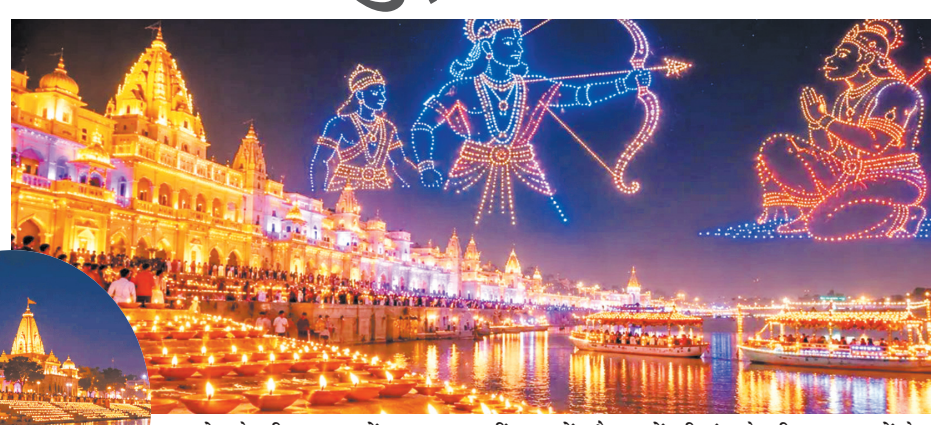
वॉशिंगटन (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े गैंगस्टर हैरी बॉक्सर को अमेरिका में हिरासत में लिया गया है। अमेरिकी एजेंसी ने उसे कैलीफोर्निया में हिरासत में लिया है। हैरी अमेरिका में रहकर गैंग की गतिविधियां चला रहा था। उस पर हत्या और रंगदारी समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। हैरी ने फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा हैरी पर सलमान खान और कपिल शर्मा समेत अन्य बॉलीवुड हस्तियों को धमकी देने का भी आरोप है। इससे पहले गैंगस्टर हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुरिया को भी अमेरिका में हिरासत में लिया गया था। ये दोनों भारत में कई आपराधिक मामलों में वांछित हैं। हैरी बॉक्सर पर बॉलीवुड और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई लोगों को धमकी देने के आरोप हैं। इनमें अभिनेता रणवीर सिंह भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हैरी ने रणवीर के मैनेजर को वॉइस नोट भेजकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसके अलावा, पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा को भी धमकी मिलने का मामला सामने आया था। एक वायरल कथित ऑडियो में सलमान खान से नजदीकियों के चलते गुरु के दिल्ली स्थित जिम पर फायरिंग कराने का दावा किया।

दीपोत्सव

पुष्पक विमान से सीता और हनुमान सहित पहुंचे श्रीराम

अयोध्या में साकार हुई रामराज्य की कल्पना

अयोध्या (एजेंसी)। दीपावली के पावन अवसर पर आयोजित दीपोत्सव में त्रेतायुग की परंपरा का सजीव मंचन देखने को मिला। भगवान श्री राम, सीता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न और हनुमान के स्वरूप पुष्पक विमान रूपी हेलीकॉप्टर से रामकथा पार्क के निकट बने अस्थायी हेलीपैड पर उतरे। यहां गुरु वशिष्ठ की भूमिका निभा रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ भगवान के स्वरूपों की भव्य अगवानी की। इसके बाद भगवान श्रीसीताराम के स्वरूप रथ पर सवार होकर रामकथा पार्क पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने मंत्रियों के साथ स्वयं रथ खींचकर भगवान का स्वागत किया, जिसका मनमोहक दृश्य देख श्रद्धालु भावविभोर हो गए। त्रेतायुग की इस परंपरा के जीवंत प्रदर्शन ने एक बार फिर सभी को रामराज्य की स्मृतियों से जोड़ दिया।





बनाई गई विशेष झांकियां, पहुंची शोभायात्रा- रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल-नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे। दर्शकों की आंखों में श्रद्धा, चेहरों पर उल्लास और वातावरण में रामनाम की गूंज। दसवें दीपोत्सव की शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और परंपरा का ऐसा संगम दिखाई दिया, जिसने अयोध्या की भव्यता को एक नया आयाम दिया। साकेत महाविद्यालय से पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाई।

श्रद्धालुओं ने सराहा रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन

शोभायात्रा के साक्षी बने उन्नाव के सुशील कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में अयोध्या का ऐसा दिव्य और भव्य स्वरूप देखने को मिल रहा है। दीपोत्सव और शोभायात्रा देखकर मन आनंदित हो गया। जौनपुर से आए राम कुमार ने रामायण की झांकियों और कलाकारों की प्रस्तुतियों को सराहा। बलरामपुर की सुशीला ने कहा कि रामकथा के सजीव मंचन और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने मन मोह लिया। रामपथ पर विराजमान दर्शक और श्रद्धालु शोभायात्रा के हर दृश्य को अपलक निहारते रहे। प्रभु श्रीराम के स्वरूपों के दर्शन कर कई श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। किसी की आंखें श्रद्धा से नम थीं तो कोई हाथ जोड़कर रामनाम में लीन नजर आया। जय श्रीराम के उद्घोष, ढोल-नगाड़ों की गूंज और रामायण के जीवंत प्रसंगों के बीच पूरा रामपथ भक्ति और उल्लास से सराबोर हो उठा। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो अयोध्या की धरती पर रामकथा केवल दिखाई नहीं दे रही, बल्कि जन-जन के हृदय में उतर रही हो।

संक्षिप्त समाचार

सड़क निर्माण में गड़बड़ी का आरोप, बिजली के पोल के चारों ओर ढलाई, परियोजना की लागत 42 करोड़ रुपये

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर प्रखंड की अमेर पंचायत में सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों ने गड़बड़ी का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई जगह सड़क की चौड़ाई 7 से 8 फीट या इससे भी कम रखी जा रही है। सड़क के बीच बिजली के पोल को हटाए बिना उसके चारों ओर ढलाई किए जाने से दुर्घटना की आशंका जताई गई है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य की जांच कराने और तय मानकों के पालन की मांग की है। ग्रामीण सत्य प्रकाश के मुताबिक, निर्माणाधीन सड़क कई जगह 7 से 8 फीट या इससे भी कम चौड़ी बनाई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों की शिकायत है कि सड़क के बीच मौजूद बिजली के पोल को हटाए बिना उसके चारों ओर ढलाई कर दी गई। इससे सड़क पर आवागमन करने वालों के लिए दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने पोल को सड़क से हटाकर किनारे करने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक, कई जगह पुरानी सड़क को उखाड़े बिना और कुछ स्थानों पर मिट्टी के ऊपर ही ढलाई कर दी गई। उनका दावा है कि नई सड़क अभी से टूटने और फटने लगी है। इससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सड़क निर्माण करीब डेढ़ महीने से चल रहा है, लेकिन मौके पर योजना और निर्माण एजेंसी की जानकारी देने वाला स्टीमेट बोर्ड नहीं लगाया गया है। उन्होंने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की जांच कराने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की मांग की है। निर्माण कंपनी के अधिकारी मधुकर सिंह ने ग्रामीणों के आरोपों को खारिज करते हुए सड़क की गुणवत्ता बेहतर बताई। बिजली के पोल के संबंध में उन्होंने कहा कि दीपावली के कारण बिजली विभाग से शटडाउन नहीं मिल पाया। त्योहार के तुरंत बाद पोल हटाकर किनारे कर दिए जाएंगे। मधुकर सिंह के मुताबिक, आरसीडी पथ योजना के तहत तेरसिया से बिदुपुर के बीच करीब 16 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जा रही है। परियोजना पर लगभग 42 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मौके पर जांच कर सड़क की गुणवत्ता और निर्माण के तय मानकों की पुष्टि करने की मांग की है।

जफराबाद दियारा में 8 शराब भट्ठियां ध्वस्त, छापेमारी में 17,700 किलो जावा गुड़ और 385 लीटर शराब नष्ट

हाजीपुर। वैशाली के जफराबाद दियारा में उत्पाद विभाग और रुस्तमपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। टीम ने अवैध रूप से चल रही 8 देसी शराब भट्ठियां ध्वस्त कर दीं। जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर हुई कार्रवाई में करीब 17,700 किलो जावा गुड़ और 385 लीटर चुलाई शराब नष्ट की गई। जिला प्रशासन के मुताबिक, शराबबंदी कानून लागू करने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। दियारा और संवेदनशील इलाकों में अवैध शराब बनाने और बेचने पर नजर रखी जा रही है। उत्पाद विभाग और पुलिस को आपसी तालमेल के साथ नियमित छापेमारी करने का निर्देश दिया गया है। डीएम वर्षा सिंह ने कहा कि शराबबंदी कानून के पालन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध शराब बनाने और कारोबार करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। अवैध शराब बनाने या बेचने की सूचना व्हाट्सऐप नंबर 8544424310 पर दी जा सकती है। जिला नियंत्रण कक्ष के नंबर 06224-260233 और 06224-260234 पर भी जानकारी दी जा सकती है। जिला प्रशासन ने लोगों से शराबबंदी अभियान में सहयोग करने की अपील की है।



5.51 लाख दीप जले, विधायक अवधेश सिंह ने किया शुभारंभ, देश की तरक्की-सद्भाव की कामना की



हाजीपुर। धनतेरस पर हाजीपुर के कोनहारा घाट पर 5 लाख 51 हजार दीप जलाए गए। नारायणी नदी के तट पर हुए दीपोत्सव का शुभारंभ विधायक अवधेश सिंह ने दीप जलाकर किया। कार्यक्रम में शहर के लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने दीप जलाए। उन्होंने शांति, सद्भाव और देश की उन्नति की कामना की। स्कूली बच्चों ने शंखनाद किया और लोगों ने जय श्रीराम के जयघोष लगाए। इससे घाट पर भक्तिमय माहौल बना। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजीव ब्रह्मर्षि ने किया। उन्होंने कहा कि हाजीपुर देवभूमि है। नारायणी तट पर दीप जलाकर देश की तरक्की, सद्भाव और ऊर्जा के संचार की कामना की गई। कार्यक्रम में भाजपा विधायक, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

धनतेरस पर वैशाली के सभी थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च, पुलिस ने बाजारों और ज्वेलरी दुकानों पर रखी नजर

हाजीपुर। धनतेरस पर सुरक्षा बनाए रखने के लिए वैशाली पुलिस ने जिले के सभी थाना क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया। एसएसपी शुभांक मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों और सशस्त्र बलों ने हाजीपुर के बाजारों, चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त की। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस टीमों ने प्रमुख बाजारों, दुकानों और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों और लोगों से बातचीत की और शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। धनतेरस पर सोने-चांदी के आभूषण और अन्य सामान खरीदने के लिए बाजारों में देर रात तक भीड़ रही। पुलिस ने ज्वेलरी दुकानों और भीड़भाड़ वाले व्यावसायिक इलाकों पर नजर रखी। गश्ती दल संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखते रहे। एसएसपी शुभांक मिश्रा ने बताया कि धनतेरस और दीपावली पर बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए बाजार पहुंचते हैं। किसी अप्रिय घटना को रोकने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च किया गया। ज्वेलरी दुकानों की भी निगरानी की जा रही है। धनतेरस की रात पुलिस बाजारों में गश्त करती रही। त्योहार के दौरान लोगों की सुरक्षा और बाजारों में शांति बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता रही।



पूर्व नगर उपाध्यक्ष और पुलिस के बीच मारपीट, दिलीप ठाकुर घायल, दोनों पक्षों ने लगाए आरोप

हाजीपुर। वैशाली के लालगंज में धनतेरस की शाम तिनपुलवा चौक पर पूर्व नगर उपाध्यक्ष दिलीप ठाकुर और पुलिस के बीच विवाद के बाद मारपीट हुई। इसमें दिलीप ठाकुर घायल हो गए। उन्हें स्थानीय लोगों ने लालगंज रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया। दिलीप ठाकुर तिनपुलवा चौक पर अपनी टायर दुकान में थे। इसी दौरान आरडी ट्रैवल्स की एक गाड़ी वहां रुकी और यात्री उतरने लगे। तभी लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। किसी बात को लेकर पुलिसकर्मियों और दिलीप ठाकुर के बीच विवाद शुरू हुआ, जो मारपीट में बदल गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पुलिसकर्मी दिलीप ठाकुर को दुकान के पास खींचकर ले गए और उनके साथ मारपीट की। पुलिस की ओर से भी दारोगा और पूर्व नगर उपाध्यक्ष के बीच मारपीट का आरोप लगाया गया है। सूचना मिलने पर एसडीपीओ गोपाल मंडल मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली। उन्होंने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य है। दारोगा और पूर्व नगर उपाध्यक्ष ने एक-दूसरे पर मारपीट का आरोप लगाया है। मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तीन अपराधियों का हुआ पोस्टमार्टम

एजेंसी, पटना



- फुलवारीशरीफ, बेऊर, दानापुर समेत 7 थानों की पुलिस रही मौजूद

पटना जिले के मनेर में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए तीन अपराधियों का एम्स में पोस्टमार्टम किया गया। जिलाधिकारी के आदेश के बाद रात करीब 10 बजे पोस्टमार्टम शुरू हुआ। जिसके लिए चार सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। पूरी प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। रात ढाई बजे पूरी प्रक्रिया खत्म हुई। इसके बाद शव परिजनों को सौंपे गए। पोस्टमार्टम से पहले तीनों शवों का अलग-अलग अल्ट्रासाउंड कराया गया। डॉक्टर के मुताबिक इससे शरीर के अंगों की स्थिति का रिकॉर्ड रखा जा सकेगा। भविष्य में अंग निकाले जाने की आशंका या शिकायत पर उठने वाले सवालों का जवाब देने में यह रिकॉर्ड मदद करेगा।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहीः पोस्टमार्टम के दौरान एम्स परिसर में सुरक्षा के इंतजाम किए गए थे। शास्त्रीनगर, खगौल, मनेर, दीघा, फुलवारीशरीफ, बेऊर और दानापुर थानों के पुलिस अधिकारी और जवान पूरी रात वहां तैनात रहे। शव ले जाने के लिए एंबुलेंस के किराए को लेकर परिजनों और चालक के बीच कहासुनी हुई।

एक घंटे के बाद बनी सहमतिः परिजनों के मुताबिक, चालक ने हर शव के लिए 2,000 रुपए मांगे। जिसे देने से इनकार कर दिया। करीब एक घंटे तक बातचीत के बाद एक एंबुलेंस से तीनों शव ले जाने पर सहमति बनी। शनिवार सुबह करीब 5:30 बजे परिजन शव लेकर पटना एम्स से मनेर के लिए रवाना हुए।

अलर्ट मोड में प्रशासनः पूरी पोस्टमार्टम प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की कमान फुलवारीशरीफ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी सह एएसपी-1 नारायण उपाध्याय स्वयं संभाल रहे थे। एम्स परिसर में किसी भी तरह की अव्यवस्था या अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। आसपास के कई थानों की पुलिस लगातार निगरानी करती रही।

एसडीपीओ नारायण उपाध्याय ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश के बाद आधी रात को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों युवकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पूरी प्रक्रिया निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था और मेडिकल बोर्ड की निगरानी में संपन्न कराई गई।

सीएम सम्राट का कार्यक्रम रद्द होने से लोग मायूस



- मुख्यमंत्री महादलित बस्ती में दीपावली मनाने वाले थे, रोजगार की मांग करने वाले थे लोग

एजेंसी, पटना

बिहटा के सदीसोपुर गांव की महादलित बस्ती में रविवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी आने वाले थे। वे स्थानीय लोगों से मुलाकात करने वाले थे, पर शनिवार की देर शाम कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। जानकारी बिहटा अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि दानापुर एसडीएम की तरफ से यह जानकारी मिली कि किसी कारणवश कार्यक्रम को रद्द किया गया है। महादलित बस्ती के लोगों में मायूसी है। उनका कहना है कि दीपावली के मौके पर कोई मुख्यमंत्री पहली बार पहुंचने वाले थे, लेकिन नहीं आएंगे यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है।

अधिकारियों ने तैयारियों का लिया था जायजाः सीएम के आगमन की तैयारियों का जायजा लेने दानापुर के एसडीएम विरपाक्ष विक्रम सिंह मौके पर पहुंचे थे। बस्ती में रहने वाले लालू नट ने कहा था कि पक्के मकान और रोजगार की मांग की है। लालू नट ने कहा कि रोजगार मिलने से परिवार चलाने में मदद मिलेगी।

सुरक्षा व्यवस्था की अधिकारियों ने की थी जांचः तैयारियों के जायजा लेने के दौरान एसडीएम के अलावा बिहटा प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवजन्म राम, सीओ राकेश कुमार सिंह और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। दानापुर एसडीएम ने सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं की जांच की थी।

तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, हादसे में खगड़िया के ड्राइवर की मौत

एजेंसी, पटना



- 2 लोगों की हालत गंभीर, पटना रेफर

फतुहा फोरलेन आरओबी के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ड्राइवर की मौत हो गई। जबकि 2 लोग घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकाला। इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया।

खगड़िया का रहने वाला था चालकः मृतक कार ड्राइवर की पहचान खगड़िया जिले के परबत्ता थाना अंतर्गत टुड्डी गांव निवासी सोनू निगम(50) के रूप में हुई है। घायलों में कटिहार गोशाला निवासी 31 वर्षीय रोहित कुमार और खगौल सबजपुरा निवासी 50 वर्षीय नरेंद्र कुमार सिन्हा शामिल है।

कटिहार जाने के लिए निकले थेः ग्रामीणों के अनुसार, रोहित कुमार और नरेंद्र कुमार सिन्हा ने पटना से एक कार बुक की थी। कटिहार जाने के लिए निकले थे, जिसे सोनू निगम चला रहा था। शनिवार की सुबह करीब तीन बजे हादसा हुआ है। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

छानबीन में जुटी पुलिसः पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस हादसे से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पार्षद ने मेयर पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

एजेंसी, पटना



- सीता साहू बोलीं- मैं चापलूसी नहीं करती हूं, हंगामे के बीच 19 प्रस्तावों पर मुहर

पटना नगर निगम बोर्ड की बैठक में हंगामा हुआ। मेयर-पार्षदों के बीच बहस हो गई। वार्ड-28 के पार्षद विनय कुमार पप्पू ने मेयर को भ्रष्ट बताया और कहा कि पटना नगर निगम कोई भी काम ठीक से नहीं करती है। इस पर मेयर ने भी जवाब देते हुए कहा कि मैं चापलूसी नहीं करती हूं। बैठक में सफाई व्यवस्था से जुड़े प्रस्ताव पर विनय कुमार पप्पू ने आपत्ति जताई। उन्होंने 4 वर्षों के लिए निजी एजेंसी के माध्यम से घर-घर कचरा संग्रहण, कचरा परिवहन और मैनुअल-मैकेनिकल रोड स्वीपिंग कराने के प्रस्ताव का विरोध किया। इस हंगामा के बावजूद बोर्ड बैठक में 19 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। बैठक में तय हुआ है कि 10 नवंबर तक सभी छठ घाट तैयार होंगे। पटना में 15 जगहों पर वेंडिंग जोन बनेंगे।

पार्षद का आरोप, बात रखने का अवसर नहीं मिलाः विनय कुमार पप्पू का कहना है कि जब मैंने प्रस्ताव के विरोध में अपना पक्ष रखना शुरू किया तो मुझे विस्तार से अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि निगम की सफाई व्यवस्था और अन्य जरूरी सेवाओं को पूरी तरह निजी एजेंसियों पर निर्भर करना उचित नहीं है। निगम के पास अपना स्थायी और प्रशिक्षित कर्मचारी बल होना चाहिए। आवश्यकता के अनुसार कचरा परिवहन जैसे विशिष्ट कार्यों को आउटसोर्स किया जा सकता है, लेकिन सफाई से जुड़ी पूरी व्यवस्था को लंबे समय के लिए निजी एजेंसी के हवाले नहीं किया जाना चाहिए।

म्यूनिसिपल बॉन्ड की राशि से वेंडिंग जोन का होगा निर्माणः पटना नगर निगम बोर्ड की 13वीं साधारण बैठक शनिवार को मेयर सीता साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपमहापौर रेशमी कुमारी, नगर आयुक्त यशपाल मीणा समेत पार्षद मौजूद रहे। बोर्ड ने कुल 19 एजेंडों को मंजूरी दी। इनमें ठोस कचरा प्रबंधन, म्यूनिसिपल बॉन्ड की राशि से वेंडिंग जोन और व्यावसायिक परिसर का निर्माण, निगम की लीज संपत्तियों से जुड़ी निर्माण शर्तों में बदलाव और छठ से संबंधित योजनाएं प्रमुख रहीं।

शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में एजेंसी चयन की रूपरेखा को मंजूरी दी गई। इसके तहत डोर-टू-डोर कचरा उठाव, कचरे को अलग करना, प्रोसेसिंग प्लांट तक परिवहन, सड़क-गली की सफाई, गार्बेज वल्नरेबल प्वाइंट की सफाई और कंट्रोल रूम से मिलने वाली शिकायतों का निपटारा शामिल रहेगा। नई व्यवस्था में 2 एजेंसियों का चयन किया जाएगा और तीन-तीन अंचलों की जिम्मेदारी मिलेगी। वर्तमान में सफाई कार्य में लगे करीब 9,600 कर्मचारियों को एजेंसियों के पे-रोल पर रखना अनिवार्य होगा। वहीं, निगम के स्थायी सफाईकर्मियों को अन्य निर्धारित कार्यों में लगाया जाएगा। निगम का अनुमान है कि नई व्यवस्था से कचरा प्रबंधन पर हर साल 30 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। म्यूनिसिपल बॉन्ड से जुटाई गई करीब 200 करोड़ रुपए की राशि से शहर में 15 स्थानों पर वेंडिंग जोन और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण होगा। इसके लिए एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के साथ समझौते को बोर्ड ने मंजूरी दी। इससे फुटपाथी दुकानदारों को व्यवस्थित जगह मिलने के साथ निगम की संपत्तियों के बेहतर इस्तेमाल और राजस्व बढ़ाने की संभावना है।

छठ से पहले घाटों की एप्रोच रोड का बदलेगा रंग-रूप

एजेंसी, पटना



- दीवारों पर दिखेगी लोक आस्था की झलक, कृष्णा घाट से शुरू हुआ सजावट का काम

पटना में छठ महापर्व को लेकर घाटों की सजावट के साथ अब वहां तक जाने वाली एप्रोच रोड को भी आकर्षक बनाने का काम शुरू हो गया है। नगर निगम की ओर से गंगा घाटों की एप्रोच रोड का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। इसके तहत रास्ते में पड़ने वाली दीवारों पर छठ महापर्व और स्वच्छता से जुड़ी थीम पर रंग-बिरंगी चित्रकारी की जा रही है।

कृष्णा घाट से शुरू हुआ दीवारों को सजाने का कामः निगम ने इस अभियान की शुरुआत कृष्णा घाट से की है। यहां दीवारों पर छठ पूजा के पारंपरिक दृश्य, प्रकृति और स्वच्छता से जुड़े संदेशों को चित्रों के जरिए उकेरा जा रहा है। आने वाले दिनों में गांधी घाट, एनआईटी घाट समेत अन्य प्रमुख गंगा घाटों की एप्रोच रोड की दीवारों को भी इसी तरह सजाया जाएगा। इससे घाट तक जाने वाले रास्तों पर श्रद्धालुओं को छठ की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी।

ठ के दौरान पटना में बिहार के विभिन्न जिलों के अलावा देश के दूसरे हिस्सों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में घाटों तक जाने वाली एप्रोच रोड को साफ-सुथरा और सुंदर बनाने पर नगर निगम विशेष ध्यान दे रहा है। नगर निगम का प्रयास है कि घाट तक पहुंचने से पहले ही लोगों को पटना की सांस्कृतिक पहचान और छठ की परंपरा का अनुभव हो। इस अभियान में स्थानीय युवाओं और कला प्रतिभाओं को भी जोड़ा गया है। नगर आयुक्त यशपाल मीणा की पहल पर पटना आर्ट्स कॉलेज के छात्र-छात्राओं की टीम दीवारों पर चित्रकारी कर रही है। युवा कलाकार छठ की परंपरा, लोक संस्कृति और स्वच्छता के संदेशों को चित्रों के माध्यम से लोगों तक पहुंचा रहे हैं। इससे शहर के सौंदर्यीकरण के साथ युवाओं की रचनात्मक भागीदारी भी सुनिश्चित हो रही है। नगर निगम की योजना के अनुसार छठ के दौरान घाटों पर आने वाले लोगों को बेहतर वातावरण देने के लिए एप्रोच रोड को भी महापर्व की थीम के अनुरूप सजाया जा रहा है। दीवारों पर बनने वाली चित्रकारी पटना की सांस्कृतिक विरासत, छठ की परंपरा और स्वच्छता के संदेश को एक साथ सामने लाएगी। इससे घाटों तक जाने वाली एप्रोच रोड भी छठ की भव्यता का हिस्सा नजर आएगी।

संजय झा से मिलीं काम्या मिश्रा आईपीएस की नौकरी छोड़ी थीं

एजेंसी, पटना



बिहार कैडर की IPS रहीं काम्या मिश्रा ने जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा से पटना आवास पर मुलाकात की है। दोनों की मुलाकात के बाद काम्या मिश्रा की राजनीतिक पारी की अटकलें तेज हो गई हैं।

काम्या ओडिशा की रहने वाली हैं और भारतीय पुलिस सेवा के 2019 बैच की अधिकारी रह चुकी हैं। दरभंगा के ग्रामीण एसपी रहते अगस्त 2024 में काम्या ने इस्तीफा दिया था और लंबी छुट्टियों पर चली गई थीं। पिछले साल उनका इस्तीफा मंजूर हुआ।

काम्या मिश्रा ने इंस्टा पर मुलाकात की तस्वीर शेयर कर लिखा कि संजय झा से भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकानाएं दीं। बिहार को राष्ट्रीय मुख्यधारा में एक सशक्त पहचान दिलाने की दिशा में उनके निरंतर प्रयास प्रेरणादायी रहे हैं।

फिलहाल काम्या मिश्रा अपने पिता का कारोबार देख रही हैं। उनके परिवार की आयरन और स्टील कंपनी है। काम्या मिश्रा के पति भी IPS हैं। उनका नाम अवधेश दीक्षित है। फिलहाल अवधेश दीक्षित बतौर भोजपुर में बतौर SP तैनात हैं।

हनुमान जयंती पर गुलाब के फूलों से सजा महावीर मंदिर

एजेंसी, पटना



पटना के महावीर मंदिर में हनुमान जयंती के अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन किया गया है। हनुमान जी के दरबार का लाल गुलाब के फूलों से आकर्षक श्रृंगार किया गया है। दोनों विग्रहों को 151 किलो गुलाब के फूलों से सजाया गया है। मंदिर के ध्वज बदले गए। पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। विशेष श्रृंगार के बाद भगवान को 102 किलो नैवेद्यम लड्डू का भोग लगाया गया। पूजा के बाद इस प्रसाद को श्रद्धालुओं के बीच बांटा गया।

भक्तों के बीच प्रसाद का वितरणः महावीर मंदिर न्यास के सचिव सायन कुणाल ने बताया कि पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर में भक्तों की काफी भीड़ है। पिछले साल 51 किलो प्रसाद का वितरण किया गया था। इस बार 102 किलो नैवेद्यम का वितरण किया गया। भक्तों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हनुमान जयंती देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तिथियों पर मनाई जाती है। वहीं, पटना के महावीर मंदिर में दिवाली से एक दिन पहले कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हनुमान जयंती मनाई जाती है। इसके पीछे रामानंदाचार्य की परंपरा और धार्मिक ग्रंथों में वर्णित मान्यताएं हैं। कलश स्थापना के साथ श्रीरामचरितमानस नवाह पाठ की शुरुआत हुई थी। मंदिर के ऊपरी तल पर स्थित स्थायी मंडप में मिथिला से आई 11 सदस्यीय मंडली नौ दिनों तक रामचरितमानस का पाठ कर रही है। आयोजन की पूर्णाहुति आज हनुमान जयंती के दिन की गई। इस वर्ष अनुष्ठान में श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल यजमान की भूमिका निभा रहे हैं।

सुबह धुंध-दिन में धूप, बिहार का तापमान 30-31 डिग्री, बारिश के आसार नहीं

एजेंसी, पटना



बिहार में आज मौसम का मिजाज सामान्य रहने का अनुमान है। मौसम में अब दिन और रात का अंतर साफ महसूस होने लगा है। सुबह घरों से निकलने वालों को हल्की धुंध का सामना करना पड़ सकता है, जबकि सूरज चढ़ने के साथ आसमान साफ होगा और धूप निकलेगी। राज्य में बारिश की कोई खास संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 18 डिग्री रहने का अनुमान है। हालांकि, सभी जिलों में सुबह की दृश्यता एक जैसी नहीं रहेगी। नदियों, निचले इलाकों और खुले स्थानों के आसपास धुंध अपेक्षाकृत अधिक महसूस हो सकती है। करीब 6 दिन तक मौसम में कोई बदलाव की संभावना नहीं है।

उत्तर बिहार में सुबह धुंध, दोपहर में निकलेगी धूपः उत्तर बिहार के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सीवान और सारण में सुबह के समय हल्की धुंध रहने की संभावना है। ग्रामीण और खुले इलाकों में इसका असर शहरों की तुलना में अधिक महसूस हो सकता है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ धुंध छंटने और धूप निकलने का अनुमान है।

उत्तर-पूर्व बिहार के जिलों में नमीः समस्तीपुर, वैशाली, बेगूसराय और आसपास के जिलों में भी सुबह हल्की धुंध रह सकती है। इन इलाकों में दिन का मौसम सामान्य रहेगा। वहीं उत्तर-पूर्व बिहार के सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, सहरसा और मधेपुरा में सुबह नमी के कारण धुंध का हल्का असर दिख सकता है। दिन में मौसम साफ रहने की संभावना है।

दक्षिण बिहार में दिन में रहेगी हल्की गर्मीः पटना, गयाजी, जहानाबाद, अरवल, नालंदा, नवादा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद और लखीसराय समेत दक्षिण बिहार के जिलों में सुबह हल्की ठंड महसूस होगी।

दिन में धूप निकलने से तापमान 30 से 32 डिग्री के आसपास रह सकता है। जिससे मौसम थोड़ा गर्म रहेगा। मुंगेर, जमुई, बांका, भागलपुर और खगड़िया में भी मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

पटना में सुबह धुंध, दोपहर में खिलेगी धूपः राजधानी पटना में शनिवार को सुबह के समय हल्की धुंध या धुंधलापन रह सकता है। सुबह 6 से 9 बजे के बीच इसका असर अधिक महसूस होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार पटना में अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री रहने का अनुमान है। बारिश की संभावना नहीं है।

छठ महापर्व को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने दिए घाटों की युद्धस्तरीय तैयारी के निर्देश



बीएनएम @ मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने जिले के सभी नगर परिषद एवं नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की। बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को जिले के चिन्हित छठ घाटों पर युद्धस्तर पर तैयारियां पूरी करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और स्वच्छता के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी श्री यादव ने सभी चिन्हित छठ घाटों की मुकम्मल साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही नदी, तालाब एवं पोखरों तक जाने वाले पहुंच पथों की मरम्मत, समतलीकरण एवं आवश्यक व्यवस्था समय से पूरी करने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी ने गहरे पानी वाले एवं खतरनाक घाटों को चिह्नित कर वहां लाल कपड़े और चेतावनी संकेतक बोर्ड लगाने का निर्देश दिया। नदी एवं बड़े तालाबों में पानी के भीतर मजबूत बैरिकेडिंग कराने को कहा, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। इसके अलावा घाटों पर गोताखोरों की टीम को पूरी तरह मुस्तैद रखने का निर्देश दिया गया। शाम एवं सुबह के अर्घ्य के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए घाटों एवं संपर्क मार्गों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके तहत एलईडी लाइट, हैलोजन तथा बिजली बाधित होने की स्थिति में जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी छठ घाटों पर शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वाटर टैंकर की व्यवस्था करने को कहा। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल कैंप स्थापित करने एवं एम्बुलेंस की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को स्वयं क्षेत्र में उपस्थित रहकर प्रतिदिन सुबह एवं शाम छठ घाटों का निरीक्षण करने तथा तैयारियों की प्रगति रिपोर्ट जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने आम नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से अपील की कि वे छठ पूजा के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा खतरनाक घोषित घाटों पर जाने से बचें। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से लोक आस्था के इस महापर्व को पूरी श्रद्धा, पवित्रता, स्वच्छता एवं सुरक्षा के साथ संपन्न कराया जाएगा।

जिला परिषद की बैठक में विकास योजनाओं की हुई समीक्षा

बीएनएम @ मोतिहारी



जिला परिषद, पूर्वी चम्पारण के महात्मा गांधी सभा भवन में शनिवार को जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में सामान्य बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिले के विकास कार्यों, विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, जिला परिषद की संपत्तियों के संरक्षण तथा जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं, बैठक के दौरान कई पदाधिकारियों की अनुपस्थिति पर जिप अध्यक्ष ममता राय ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने अनुपस्थित पदाधिकारियों से कारण पृच्छा करने का निर्देश देते हुए मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को संबंधित पदाधिकारियों एवं विभागों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई हेतु उनके मूल विभाग को सूचित करने का निर्देश दिया। जिप अध्यक्ष ममता राय ने कहा कि जिले में जिला परिषद की अधिकांश जमीनों पर अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है। ऐसी जमीनों को चिह्नित कर लिया गया है। शीघ्र ही जिलाधिकारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर जिला परिषद की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला परिषद की दुकानों एवं अन्य संपत्तियों के वैसे किरायेदारों को भी चिह्नित किया गया है, जिनके यहां वर्षों से किराया बकाया है। ऐसे किरायेदारों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई करते हुए आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। साथ ही पंचायती राज विभाग एवं बिहार सरकार के निर्देशों के आलोक में बिहार जिला परिषद भू-संपदा लीज नीति के तहत आवंटन, एकरारनामा एवं नवीकरण की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विकास योजनाओं से बदलेगी जिले की तस्वीर, सात डाकबंगलों का होगा कायाकल्प–श्रीमती राय ने कहा कि उनके कार्यकाल में जिले में सड़क, पुलिया, यात्री शेड, जल संरक्षण, सिंचाई नाला, कब्रिस्तान एवं विद्यालयों की चहारदीवारी निर्माण, विद्यालयों में पुस्तकालयों की स्थापना तथा कई प्रमुख स्थलों पर आर.ओ. अधिष्ठापन सहित अनेक जनोपयोगी कार्य कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के सात डाकबंगलों का जीर्णोद्धार एवं नए स्वरूप में निर्माण कराया जा रहा है। इन डाकबंगलों को आधुनिक अतिथिगृह के रूप में विकसित एवं संचालित करने की योजना है। यह पहल बिहार में एक रोल मॉडल साबित होगी। भविष्य में इनका व्यावसायिक उपयोग भी किया जा सकेगा, जिससे जिला परिषद को निरंतर आय प्राप्त होगी और उसकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि जिलेवासियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने तथा जिला परिषद की संपत्तियों को उपयोगी बनाने के उद्देश्य से डाकबंगलों के जीर्णोद्धार एवं निर्माण के बाद उन्हें अतिथिगृह के रूप में संचालित कराया जाएगा।

जिला परिषद की जमीन पर संचालित जिला शिक्षा पदाधिकारी का कार्यालय एक सप्ताह में कराया जाएगा खाली–जिप अध्यक्ष श्रीमती राय ने जिला परिषद की जमीन पर पूर्व से संचालित जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय का मामला उठाते हुए कहा कि अपना भवन उपलब्ध हो जाने के बावजूद उक्त कार्यालय जिला परिषद की जमीन पर अवैध रूप से संचालित हो रहा है। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक सप्ताह के अंदर उक्त परिसर खाली करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त उन्होंने पशुपालन, बिजली, समेकित बाल विकास परियोजना एवं आयुष्मान योजना से संबंधित सेवाओं को बेहतर बनाने पर जोर दिया। साथ ही जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आम जनता की आवश्यकता के अनुरूप एंटी रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में स्थानीय विधायक प्रमोद कुमार ने कायाकल्प योजना के तहत विद्यालयों में रंग-रोगन, शौचालय निर्माण सहित अन्य कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराने पर जोर दिया। उन्होंने समेकित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सेविका-सहायिकाओं के दरवाजे पर संचालित हो रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को तत्काल वहां से हटाकर सरकारी भवनों में स्थानांतरित कराया जाए। साथ ही उन्होंने नल-जल योजना को धरातल पर प्रभावी रूप से उतारने तथा जरूरतमंद आम नागरिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। वहीं, विधायक सचिन्द्र प्र. सिंह ने जिले के समग्र एवं आधुनिक विकास को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट सैटेलाइट सिटी की स्थापना का प्रस्ताव सदन के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस दिशा में पहल होने से जिले के विकास को नई गति मिल सकती है। बैठक में जिले के विकास, जनसुविधाओं के विस्तार, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जिला परिषद की संपत्तियों के संरक्षण एवं आर्थिक सशक्तीकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

पाकिस्तानी संपर्क और साइबर ठगी के आरोप में दो गिरफ्तार, पांच एटीएम कार्ड व दो मोबाइल बरामद

» नगर थाना पुलिस की गुप्त सूचना पर छापेमारी, किराये के मकान में रहकर मोबाइल से ठगी और धोखाधड़ी की बना रहे थे योजना; एसडीपीओ सदर-1 के नेतृत्व में गठित टीम ने की कार्रवाई

बीएनएम @ मोतिहारी

नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी संपर्क और साइबर ठगी से जुड़े मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो मोबाइल फोन और पांच एटीएम कार्ड बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान डुमरियाघाट थाना क्षेत्र के सेमुआपुर निवासी मदन साह के पुत्र पंकज गुप्ता तथा संग्रामपुर थाना क्षेत्र के श्यामपुर बरवा निवासी संजय कुशवाहा के पुत्र राजू कुमार कुशवाहा उर्फ राजू कुमार भगत के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छह नवंबर को नगर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति बेलिसराय स्थित एक किराये के मकान में रह रहे हैं। दोनों के पाकिस्तान में संपर्क होने तथा आसपास मोबाइल के माध्यम से ठगी और धोखाधड़ी की योजना बनाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन और अग्रिम कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 दिलीप कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चिह्नित स्थान पर छापेमारी की और दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों की तलाशी के दौरान दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। मोबाइल फोन का अवलोकन करने पर पाकिस्तानी लोगों से संपर्क और अवैध लेन-देन से संबंधित मामला सामने आया है। पुलिस ने इस संबंध में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। छापेमारी टीम में एसडीपीओ सदर-1 दिलीप कुमार, नगर थानाध्यक्ष राजीव कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक केवी हनुमंत, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, संतोष कुमार, सतीश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक भीम यादव, महिला सिपाही पुतुल कुमारी सहित नगर थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे। पुलिस बरामद मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड के आधार पर आरोपितों के संपर्कों, कथित साइबर ठगी के नेटवर्क तथा पाकिस्तानी संपर्कों की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में इनके साथ अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं।

महादलित बस्ती में डीएम-एसपी ने बच्चों संग मनाई दीपावली

बीएनएम @ मोतिहारी



दीपावली के पावन अवसर पर पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन की ओर से एक सराहनीय, संवेदनशील और मानवीय पहल की गई। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शहर की एक महादलित बस्ती में पहुंचकर बच्चों और परिवारों के बीच मिठाई, चॉकलेट, पटाखे एवं दीयों का वितरण किया। जिले के दोनों शीर्ष अधिकारियों को अचानक अपने बीच पाकर बस्ती के बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों की मुस्कान और परिवारों के उत्साह ने दीपावली के इस पर्व को और भी खास बना दिया। इस अवसर पर नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार समेत जिला प्रशासन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने बस्ती के लोगों के साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि दीपावली खुशियों, उमंग और प्रकाश का त्योहार है। इस पर्व की सार्थकता तभी है, जब समाज के हर वर्ग के लोग मिल-जुलकर खुशियां मनाएं। उन्होंने जिला प्रशासन की ओर से जिलेवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। वहीं, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने भी समस्त जिलावासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने त्योहार के दौरान सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने, पटाखे जलाते समय बच्चों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल जिला प्रशासन को देने की अपील की। जिला प्रशासन की इस आत्मीय पहल से बस्ती के बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों की इस संवेदनशीलता और अपनत्व भरे व्यवहार की सराहना करते हुए पूरे जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। वास्तव में, यह पहल संदेश देती है कि त्योहारों की असली खुशी तभी है, जब समाज के हर चेहरे पर मुस्कान हो और खुशियों का प्रकाश हर घर तक पहुंचे।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन मुस्कानः बेतिया पुलिस ने बरामद किए 70 मोबाइल, मालिकों को सौंपे

20 लाख रुपये आंकी गई बरामद मोबाइलों की कीमत, अब तक 495 मोबाइल बरामद कर चुकी है पुलिस



बीएनएम @ बेतिया। पुलिस मुख्यालय, बिहार के निर्देश पर संचालित ऑपरेशन मुस्कान के तहत बेतिया पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। जिला पुलिस की विशेष टीम ने अलग-अलग स्थानों से गुम और चोरी हुए 70 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी लौट आई। पुलिस की ओर से सात नवंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अलग-अलग थानों में मोबाइल गुम होने और चोरी से संबंधित दर्ज सनहा एवं प्राथमिकी तथा सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई। जिला आसूचना इकाई की टीम लगातार तकनीकी अनुसंधान कर मोबाइल फोन की लोकेशन और अन्य जानकारियां जुटा रही थी। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप 70 मोबाइल बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, ऑपरेशन मुस्कान के तहत अब तक बेतिया पुलिस कुल 495 मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप चुकी है। इन सभी मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 98 लाख रुपये बताई गई है। मोबाइल गुम या चोरी होने की शिकायत दर्ज कराने के लिए बेतिया पुलिस ने आधिकारिक वेबसाइट https://bettiahpolice.bihar.gov.in भी जारी की है। इसके माध्यम से आम लोग अपने गुम या चोरी हुए मोबाइल की शिकायत दर्ज करा सकते हैं। इस बरामदगी अभियान में जिला आसूचना इकाई के प्रभारी पुलिस निरीक्षक रमेश कुमार शर्मा, पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक सौरभ कुमार, सिपाही राज कुमार, विपिन कुमार, ऋषभ कुमार और अंकित कुमार शामिल रहे। बेतिया पुलिस ने आम लोगों से मोबाइल गुम या चोरी होने पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की अपील की है।

ट्रैक्टर खरीद-बिक्री के नाम पर 3.75 लाख की ठगी, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ शिवहर। शिवहर के पुलिस अधीक्षक मो. मोहिबुल्लाह अंसारी ने पदभार ग्रहण करने के बाद ट्रैक्टर खरीद-बिक्री के नाम पर 3.75 लाख रुपये के गबन के मामले में मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी दी। शनिवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोतिहारी निवासी सुजीत कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि आरोपित पर दूसरे व्यक्ति से ट्रैक्टर लेकर उसकी खरीद-बिक्री करने के नाम पर 3 लाख 75 हजार रुपये का गबन करने का आरोप है। मामले में पुलिस ने तकनीकी एवं अन्य अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार सुजीत कुमार के खिलाफ शिवहर थाना के अलावा सीतामढ़ी जिले के पुपरी, महिंदवारा और रुन्नीसैदपुर थानों में भी कई मामले दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सदर एसडीपीओ अनुशील कुमार भी मौजूद थे।



छठ पर्व को लेकर डीएम-एसपी ने रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

भीड़ प्रबंधन के लिए बनेगा अस्थायी होल्डिंग एरिया, रात 8 से सुबह 6 बजे तक यात्रियों को मिलेगी मुफ्त नाइट बस सेवा

बीएनएम @ मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ पर घर लौटने वाले यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने स्टेशन प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि छठ महापर्व के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग अपने घर लौटते हैं। ऐसे में रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ना स्वाभाविक है। इसे देखते हुए स्टेशन परिसर में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते दुरुस्त की जाएं। उन्होंने स्टेशन प्रबंधक को निर्देश दिया कि ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान की जानकारी नियमित रूप से उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से प्रसारित की जाए, ताकि यात्रियों के बीच किसी प्रकार का भ्रम या अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही यात्रियों के बैठने, पेयजल, पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

भीड़ नियंत्रण के लिए बनेगा अस्थायी होल्डिंग एरिया–स्टेशन पर यात्रियों की संभावित भीड़ को नियंत्रित करने तथा प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक जमावड़े से बचने के लिए जिला प्रशासन और रेल प्रशासन के समन्वय से बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन परिसर में अस्थायी होल्डिंग एरिया (यात्री सुविधा केंद्र) बनाया जाएगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को इसका निर्माण शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया। इस व्यवस्था के तहत यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर प्रवेश से पहले सुरक्षित स्थान पर ठहराया जा सकेगा, जिससे भीड़ का बेहतर प्रबंधन हो सके और यात्रियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।



रात में यात्रियों को मिलेगी मुफ्त नाइट बस सेवा–यात्रियों की सुरक्षा को लेकर मोतिहारी पुलिस ने विशेष पहल करते हुए मुफ्त नाइट बस सेवा शुरू की है। इसके तहत रात में ट्रेन से उतरने वाले यात्रियों को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। यह सेवा प्रतिदिन रात आठ बजे से सुबह छह बजे तक उपलब्ध रहेगी। बसें स्टेशन के दोनों प्लेटफॉर्मों के बाहर तैनात रहेंगी। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को नशाखुरानी, झपटमारी और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से बचाने के साथ ही रात्रि में सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) एवं राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को चौबीसों घंटे सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है। इसके अतिरिक्त सादे लिबास में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है, जो स्टेशन परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त आशीष कुमार, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर मोतिहारी अरुण कुमार, स्टेशन अधीक्षक सहित रेलवे एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

10 हजार का इनामी स्प्रिट कारोबारी बमभोली मांझी गिरफ्तार

मुफस्सिल पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई, शंकर सरैया से हुई गिरफ्तारी; स्प्रिट तस्करी के दो मामलों में पहले से दर्ज है प्राथमिकी

बीएनएम @ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण जिले में अवैध स्प्रिट कारोबार के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मुफस्सिल थाना पुलिस ने एसटीएफ के साथ संयुक्त छापेमारी कर 10 हजार रुपये के इनामी और स्प्रिट कारोबार के मामले में वांछित आरोपित बमभोली मांझी को गिरफ्तार किया है। उसकी गिरफ्तारी तुरकौलिया थाना क्षेत्र के शंकर सरैया से की गई। पुलिस के अनुसार, मुफस्सिल थाना कांड संख्या 220/26 में बमभोली मांझी वांछित था। वह मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रूलही गांव का निवासी है। उसके पिता का नाम सुरत मांझी बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उससे पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। पुलिस विज्ञप्ति के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपित का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ मुफस्सिल थाना में स्प्रिट से जुड़े दो मामले दर्ज हैं। इनमें कांड संख्या 435/24 और 574/24 शामिल हैं। पुलिस इन मामलों में उसकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है। इस कार्रवाई में मुफस्सिल थानाध्यक्ष अमित कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अजीत कुमार, सुमन भारती, मुफस्सिल थाना के सशस्त्र बल तथा मोतिहारी एसटीएफ की टीम शामिल रही। पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध स्प्रिट कारोबार के नेटवर्क पर शिकंजा कसने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शाह फैसल ने बढ़ाया संगठन का गौरव, युवा संसद में तृतीय स्थान हासिल कर राज्य स्तरीय चरण में बनाई जगह

बीएनएम @ मोतिहारी



आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के सक्रिय सदस्य शाह फैसल ने विकसित भारत युवा संसद 2027 में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने प्रतियोगिता में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' विषय पर प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत किया। यह प्रतियोगिता 5 नवंबर 2026 को गुरु काशी विश्वविद्यालय, बठिंडा के विधि अध्ययन विद्यालय में आयोजित की गई थी। इस उपलब्धि के साथ ही शाह फैसल का चयन प्रतियोगिता के आगामी राज्य स्तरीय चरण के लिए हुआ है, जो संगठन और पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इसी क्रम में संगठन की सामाजिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिली है। 4 नवंबर को सहायक आयुक्त, मद्यनिषेध, पूर्वी चंपारण तथा 5 नवंबर को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण, मोतिहारी की ओर से संगठन को क्रमशः नशामुक्ति अभियान एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के संबंध में पत्र प्राप्त हुए हैं। संगठन ने इन दोनों पहलों को सामाजिक जागरूकता, जनहित और सामुदायिक जिम्मेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर बताया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने तथा आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी देने का प्रयास किया जाएगा। शाह फैसल की इस उपलब्धि पर संगठन के संस्थापक कफील अहमद आज़ाद (उर्फ शाहजादा आज़ाद) सहित नूर अंटू, आकाश, सुफिया एवं निकिता ने उन्हें हार्दिक बधाई दी। साथ ही आगामी राज्य स्तरीय चरण में बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। अंत में, आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन ने समस्त देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए अपील की कि इस पावन पर्व को प्रेम, खुशियों, आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएँ। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए स्वच्छ, सुरक्षित एवं जिम्मेदार तरीके से दीपावली मनाने का संकल्प लें।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञान गंगा विद्या मंदिर में बच्चों ने बनाई आकर्षक रंगोली

बीएनएम@ केसरिया (पूर्वी चंपारण)। स्थानीय ज्ञान गंगा विद्या मंदिर परिसर में शनिवार को दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई।



विद्यालय के निदेशक रवि कुमार पाठक की देखरेख में छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आकर्षक रंगोली बनाई। विभिन्न कक्षाओं के बच्चों ने रंगों के सुंदर संयोजन और कलात्मक डिजाइन से विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप दिया। कक्षा आठ की छात्राओं रूपाली, अनन्या, आंचल, काजल और पूनम ने रंगोली बनाई। वहीं, इसी कक्षा के छात्र मोहित, निषाद, गौतम, साजिद, शिवम और इरफान ने भी अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाई। इसके अलावा कक्षा छह की छात्राओं परी, लक्ष्मी, अनु और मौसम ने आकर्षक रंगोली बनाकर सबका ध्यान आकर्षित किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिरुचि और आपसी सहयोग की भावना विकसित करना था। निदेशक रवि कुमार पाठक ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

महादलित बस्ती में बीडीओ ने बांटी दीपावली की खुशियां

बीएनएम@ केसरिया (पूर्वी चंपारण)। प्रखंड की पश्चिमी सुंदरापुर पंचायत स्थित महादलित बस्ती में शनिवार को बीडीओ कुमुद कुमार ने बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरित की। वहीं, उनके अभिभावकों को मिठाई, मोमबत्ती और दीपावली से जुड़ी अन्य सामग्री भेंट की। इस पहल से बच्चों और उनके परिजनों के चेहरे खिल उठे। बीडीओ ने कहा कि दीपावली खुशियों, रोशनी और आपसी सद्भाव का पर्व है। इसकी खुशियां समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने और जरूरतमंद परिवारों के साथ पर्व की खुशियां साझा करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। मौके पर एचएम आलोक कुमार, रवीश चंद्र, ढोड़ाई सहनी, नंदेश्वर यादव, भूलन राम, रंजीत सहनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



छठ घाटों पर सुरक्षा के इंतजाम, गहरे पानी में होगी बैरिकेडिंग

बीएनएम@ बेतिया। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, बीडीओ सूरज कुमार सिंह, सीओ शमन प्रकाश और आरओ अशोक कुमार ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं सुविधाओं का जायजा लिया।



इस दौरान बीडीओ ने घाटों की साफ-सफाई, पहुंच पथ और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का आकलन कर पूजा समितियों को आवश्यक निर्देश दिए। सीओ ने बताया कि जिन घाटों पर नदी में पानी की गहराई अधिक होगी, वहां बैरिकेडिंग कराई जाएगी। जरूरत पड़ने पर एसडीआरएफ की टीम भी तैनात की जाएगी। वहीं, थानाध्यक्ष ने सभी घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया, ताकि भीड़ और असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। निरीक्षण के दौरान पूजा समिति के राजेश गुप्ता, संतोष राज सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बैरगाछी से कुर्साकांटा तक मंत्री का जगह-जगह स्वागत

बीएनएम@ कुर्साकांटा (अररिया)। बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल के आगमन पर बैरगाछी से कुर्साकांटा तक भाजपा कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने जगह-जगह स्वागत किया।



बैरगाछी-कुर्साकांटा मोड़ पर भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री का अभिनंदन किया। इसके बाद कुर्साकांटा के हाता चौक पर विधायक विजय कुमार मंडल की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। मंत्री डॉ. जायसवाल ने स्वागत के लिए सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का स्नेह, सम्मान और सहयोग उन्हें जनसेवा के दायित्वों को और अधिक ऊर्जा एवं समर्पण के साथ निभाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं।

धनतेरस पर बगहा के बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़

बीएनएम@ बगहा (पश्चिम चंपारण)। धनतेरस के अवसर पर बगहा एक और बगहा दो के बाजारों में शुक्रवार को खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही दुकानों में विशेष तैयारी की गई थी। दोपहर बाद से देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। बगहा दो में एसबीआई बैंक चौराहा से डुमवलिया हनुमान मंदिर तक, पटखौली और स्टेशन रोड चौराहा सहित विभिन्न बाजारों में भीड़ के कारण जाम की स्थिति बनी रही। बगहा एक के बाजारों और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में भी ग्राहकों की चहल-पहल रही। लोगों ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार बर्तन, सोने-चांदी के आभूषण, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, वाहन, मिठाई और घरेलू सामान की खरीदारी की। फूल-झाड़, खरहरा, हल्दी, धनिया, नमक, लक्ष्मी-गणेश की तस्वीरों और मिठाइयों की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। दुकानदारों ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए दुकानों को सजाया और विशेष ऑफर दिए। बाजारों में उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। प्रमुख बाजारों और बड़ी दुकानों के आसपास पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस की निगरानी में लोगों ने देर शाम तक खरीदारी की।

निजी नाली में गंदा पानी बहाने को लेकर विवाद, थाने पहुंचा मामला

बीएनएम@ बगहा (पश्चिम चंपारण)। नगर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 30 स्थित अहिरानी टोला में निजी नाली में घर का गंदा पानी बहाने के लिए पाइप जोड़ने को लेकर विवाद हो गया। मामले में अशोक दास ने नगर थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय और सुरक्षा की गुहार लगाई है। आवेदन में उन्होंने आरोप लगाया है कि मोहल्ले के शिवशंकर प्रसाद और उनके परिवार के लोगों ने बिना अनुमति उनकी निजी नाली में गंदा पानी बहाने के लिए पाइप जोड़ दिया। विरोध करने पर विवाद शुरू हो गया। पीड़ित के अनुसार, तीन नवंबर को शाम करीब 5:33 बजे विवाद बढ़ने पर उन्होंने डायल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया, लेकिन पुलिस के लौटने के बाद दोबारा विवाद होने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने सुरक्षा और आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। नगर थानाध्यक्ष शैलेश कुमार ने बताया कि लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छठ घाटों पर लाल कपड़े से चिह्नित होगी बैरिकेडिंग, डीएम ने दिए निर्देश

बीएनएम@ गोगरी (खगड़िया)



छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी विक्रम विरकर ने शनिवार को गोगरी अनुमंडल के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा और रोशनी की समुचित व्यवस्था समय पर पूरी करने का निर्देश दिया। डीएम ने काली पूजा स्थान, छोटी काली मंदिर ब्राह्मण टोला, कामस्थान छठ घाट, जीएन बांध स्थित रामपुर सीढ़ी घाट और गौछारी कटिंग छठ घाट का जायजा लिया। उन्होंने जलस्तर और पानी की गहराई का अनुमान लगाने के लिए लाल कपड़े से चिह्नित बैरिकेडिंग लगाने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालु और बच्चे सुरक्षित सीमा से आगे नहीं जाएं। खतरनाक एवं गहरे घाटों को चिह्नित कर वहां प्रवेश और स्नान पर रोक लगाने को कहा। सभी घाटों पर पर्याप्त रोशनी, पब्लिक एड्रेस सिस्टम और नियंत्रण कक्ष स्थापित करने के साथ पहुंच पथ की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। दंड देते हुए घाट पहुंचने वाली व्रतियों की सुविधा के लिए रास्तों को कंकड़-पत्थर से मुक्त रखने को कहा। महिला व्रतियों के लिए चेंजिंग रूम तथा घाटों पर नाव, नाविक और गोताखोरों की तैनाती सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। खतरनाक घाटों पर पोस्टर-बैनर लगाकर लोगों को जागरूक करने को कहा गया। डीएम ने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गोगरी नगर परिषद क्षेत्र के रजिस्ट्री चौक स्थित पुराने निबंधन कार्यालय भवन का भी जायजा लिया और नगर कार्यपालक पदाधिकारी को अतिक्रमण हटाने तथा बुडको के माध्यम से भवन के जीर्णोद्धार की योजना तैयार कराने का निर्देश दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

चांद परसा स्कूल में छठ महापर्व की झांकी प्रस्तुत



बीएनएम@ केसरिया (पूर्वी चंपारण)

प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चांद परसा में विद्यार्थियों ने छठ महापर्व की मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर लोक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं का संदेश दिया। इस दौरान विद्यालय परिसर में उत्सवी माहौल रहा। वहीं, 14 नवंबर को अवकाश होने के कारण विद्यालय परिवार की ओर से बाल दिवस का आयोजन पूर्व में ही किया गया। इस अवसर पर बच्चों के बीच मिठाई और कलम वितरित की गई। शिक्षकों ने पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन, विचारों और बच्चों के प्रति उनके स्नेह पर प्रकाश डालते हुए बाल दिवस के महत्व की जानकारी दी। शिक्षकों ने विद्यार्थियों से पर्व-त्योहार आपसी प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने तथा दीपावली में पटाखों का सुरक्षित उपयोग करने की अपील की। साथ ही बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक रहने और अच्छे संस्कार अपनाने के लिए प्रेरित किया। मौके पर शिक्षक रंजन कुमार सिंह, उमाशंकर सिंह, राम भूषण कुमार सिंह, खेल प्रशिक्षक सरफराज अहमद, कुमार गौरव, प्रांजलि सिंह, अलका कुमारी, पूनम कुमारी, पूनम मिश्रा, विनोद राम, सुमन कुमारी, रानी कुमारी, अजय कांत गिरी, अभय तिवारी, आलोक रंजन, रविंद्र कुमार, गोल्डी शुक्ला, जावेद अख्तर, विकास कुमार, शुभम कुमार और रूपेश कुमार सहित अन्य शिक्षक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

रक्सौल में साइबर फ्रॉड करते दो युवक गिरफ्तार

» लैपटॉप, मोबाइल और एटीएम कार्ड बरामद

बीएनएम@ रक्सौल



साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रक्सौल पुलिस ने छापेमारी कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक लैपटॉप, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, एक एटीएम कार्ड और एक पेन ड्राइव बरामद की है। रक्सौल के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष कुमार आनंद ने बताया कि 6 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि रक्सौल थाना क्षेत्र के खिरलिचिया गांव निवासी मो. सलमान कोइरियाटोला चौक स्थित अपनी एमडी सलमान स्टील फर्नीचर दुकान में कथित तौर पर साइबर फ्रॉड की गतिविधियों को अंजाम दे रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने एक टीम गठित कर संबंधित दुकान में छापेमारी की। इस दौरान मौके से दो युवकों को हिरासत में लिया गया। गिरफ्तार युवकों की पहचान खिरलिचिया गांव निवासी मो. सलमान (19 वर्ष), पिता मो. नाजिर, तथा पश्चिमी चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी सरफराज उर्फ मुबारक मियां के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक कथित रूप से साइबर ठगी की गतिविधियों में संलिप्त थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक एचपी कंपनी का लैपटॉप, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन, यूको बैंक का एक एटीएम कार्ड और एक पेन ड्राइव बरामद की। इस मामले में रक्सौल थाना कांड संख्या 502/26 दर्ज कर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष कुमार आनंद, रक्सौल थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो, पुलिस अवर निरीक्षक राकेश कुमार, विकास कुमार पासवान सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

दीपावली और कालीपूजा को लेकर खगड़िया में सुरक्षा सख्त

बीएनएम@ खगड़िया



दीपावली एवं कालीपूजा को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिलाधिकारी विक्रम विरकर एवं पुलिस अधीक्षक के संयुक्त निर्देश पर जिले के संवेदनशील और महत्वपूर्ण स्थानों पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, सशस्त्र बल एवं लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई है। जारी संयुक्तादेश के अनुसार आठ नवंबर को सुबह आठ बजे तक सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों को अपने निर्धारित स्थल पर योगदान देना होगा। वे 12 नवंबर तक मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया पूरी होने तक तैनात रहेंगे। धनतेरस और दीपावली के दौरान बाजारों में भीड़ को देखते हुए चोरी, पॉकेटमारी, चेन और बैग छिनतई जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष गश्ती की व्यवस्था की गई है। प्रमुख व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी से निगरानी की जाएगी। असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बिना लाइसेंस पटाखों की बिक्री और अवैध भंडारण पर भी कार्रवाई होगी। मूर्ति विसर्जन जुलूस के लिए पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। मेला स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, प्रवेश और निकास की समुचित व्यवस्था के साथ महिला सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस और डायल-112 को अलर्ट रखा गया है। जिला आपातकालीन संचालन केंद्र में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 06244-222384 है। गोगरी अनुमंडल में भी नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। जिलाधिकारी ने पूजा समितियों और शांति समिति के सदस्यों से प्रशासन को सहयोग करने तथा आम लोगों से अफवाहों से बचने और पर्व को आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

जनता दरबार में आधा दर्जन मामलों का मौके पर निष्पादन



बीएनएम@ बगहा (पश्चिम चंपारण)

बगहा एक अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में अंचल अधिकारी रविभूषण गौरव ने आधा दर्जन मामलों का मौके पर ही निष्पादन किया। जनता दरबार में पहुंचे फरियादियों ने जमीन विवाद, दाखिल-खारिज, परिमार्जन सहित अन्य राजस्व संबंधी समस्याएं रखीं। सीओ ने एक-एक मामले की सुनवाई करते हुए संबंधित कागजातों की जांच की और कई मामलों का तत्काल समाधान किया। मौके पर मामलों का निष्पादन होने से फरियादियों ने राहत जताई। सीओ रविभूषण गौरव ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता है। जनता दरबार का उद्देश्य लोगों को कार्यालयों के चक्कर से मुक्ति दिलाना और उनके मामलों का शीघ्र निपटारा करना है। उन्होंने संबंधित कर्मियों को आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। मौके पर राजस्व कर्मचारी वीरेंद्र प्रभाकर, सर्वे अमीन विजय कुमार, प्रीति कुमारी, उर्मिला साह, बबली रंजन, मुस्कान कुमारी, अनव्या कुमारी सहित ग्रामीण मौजूद थे।

दीपावली और छठ पर निर्बाध बिजली आपूर्ति की तैयारी

बीएनएम@ बगहा (पश्चिम चंपारण)



दीपावली एवं छठ महापर्व के दौरान उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए विद्युत विभाग ने विशेष तैयारी की है। इसके तहत विद्युत उपकेंद्रों, ट्रांसफॉर्मरों और बिजली लाइनों का निरीक्षण कर आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। विद्युत कार्यपालक अभियंता बगहा ई. आलोक अमृतांशु ने बताया कि पर्व के दौरान बिजली आपूर्ति सुचारू बनाए रखना विभाग की प्राथमिकता है। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए फ्यूज कॉल सेंटर और कंट्रोल रूम सक्रिय रहेंगे। उन्होंने उपभोक्ताओं से बिजली सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। बिजली आपूर्ति बाधित होने या तकनीकी समस्या आने पर उपभोक्ता विभागीय कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर 9264456429 और टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। क्षेत्रीय फ्यूज कॉल सेंटर से भी संपर्क किया जा सकता है।

सीठी की बेटियों की उपलब्धि पर मंत्री ने बढ़ाया हौसला



बीएनएम@ बेतिया

गौनाहा प्रखंड के सीठी गांव पहुंचे बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री नंदकिशोर राम ने एसजीएफआई प्रतियोगिताओं में अंडर-19 और अंडर-14 फुटबॉल की विजेता खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों को जर्सी किट देकर सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों का खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करना उनके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि राजगीर खेल परिसर में आयोजित एसजीएफआई राज्यस्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में सीठी क्षेत्र की प्रीति, दीपिका, निर्जला और बिंदिया ने स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया है। वहीं, सीठी गांव की दो दर्जन से अधिक बेटियां राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बिहार टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। ग्रामीण और आदिवासी बहुल क्षेत्र की इन खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर स्थानीय लोगों ने खुशी जताई।

पर्व पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा को लेकर डीपीएम ने सीएचसी कुढ़नी का किया रात्रि निरीक्षण

इमरजेंसी से लेकर प्रसव कक्ष तक की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आश्विन पोर्टल पर सत्यापन और आशा घर निर्माण की तैयारियों की भी की समीक्षा

बीएनएम@ मुजफ्फरपुर



दीपावली और छठ पर्व के दौरान मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) मोहम्मद सलीम जावेद ने शुक्रवार की रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कुढ़नी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, विभिन्न वार्डों की व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात स्वास्थ्यकर्मियों और संसाधनों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में डीपीएम ने ऑन ड्यूटी चिकित्सक कक्ष, इमरजेंसी वार्ड, प्रसव कक्ष और प्रसव उपरांत वार्ड का निरीक्षण किया। इमरजेंसी वार्ड में पुलिसकर्मी की मौजूदगी में एक मरीज भर्ती मिला, जबकि प्रसव कक्ष में एक महिला भर्ती थी। इमरजेंसी में चिकित्सक डॉ. दीपक कुमार ड्यूटी पर मौजूद मिले। वहीं, प्रसव कक्ष में लेबर रूम इंचार्ज सीमा कुमारी, जीएनएम स्मिता कुमारी तथा स्वास्थ्यकर्मी जितेंद्र कुमार, हरिंदर प्रसाद और बीमल कुमार तैनात मिले। सुरक्षा गार्ड ममता भी अपनी ड्यूटी पर मौजूद थीं। डीपीएम ने बीसीएम की ओर से किए जा रहे आशा कार्यकर्ताओं के सत्यापन कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने स्वयं कंप्यूटर पर बैठकर आश्विन पोर्टल पर सत्यापन की प्रक्रिया को देखा और कार्य की प्रगति की जानकारी ली। अस्पताल के प्रथम तल पर ऑपरेशन थिएटर (ओटी) के बाद स्थित स्थान को आशा घर निर्माण के लिए चिह्नित किया गया है। जिला स्तरीय टीम के साथ प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, बीएचएम, बीसीएम और लेखापाल की संयुक्त टीम ने स्थल का चयन किया है। डीपीएम ने आशा घर निर्माण की तैयारियों की जानकारी ली और आगे की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान डीपीएम ने निर्देश दिया कि दीपावली और छठ पर्व के दौरान ओपीडी से लेकर इमरजेंसी, प्रसव कक्ष और प्रसव उपरांत वार्ड तक सभी स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित रहें। आपात स्थिति में मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता के साथ आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

तुलसी के पास शाम को दीपक जलाने का क्या है महत्व ?

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि शाम के समय तुलसी के पास दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष धार्मिक महत्व है। इसे मां लक्ष्मी का स्वरूप और भगवान विष्णु का प्रिय माना जाता है। यही वजह है कि अधिकतर हिंदू परिवारों में तुलसी का पौधा घर के आंगन या छत पर लगाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सुबह तुलसी की पूजा करने के साथ-साथ शाम को इसके पास दीपक जलाना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शाम के समय तुलसी के पास घी या तेल का दीपक जलाने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। माना जाता है कि इससे घर में धन-धान्य की कमी नहीं रहती और परिवार के सदस्यों पर देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। हालांकि, ये धार्मिक आस्थाओं से जुड़ी मान्यताएं हैं। मान्यता है कि तुलसी के पास दीपक जलाने से घर का वातावरण शुद्ध और सकारात्मक बना रहता है। दीपक की रोशनी को अंधकार और नकारात्मकता दूर करने का प्रतीक माना जाता है। परिवार के लोग इस दौरान तुलसी की परिक्रमा करके सुख-शांति और खुशहाली की कामना करते हैं। सूर्यास्त के समय तुलसी के पास साफ-सफाई करें। तुलसी के पौधे के पास घी या तिल के तेल का दीपक जलाएं। दीपक जलाते समय मां तुलसी और भगवान विष्णु का स्मरण करें। श्रद्धा के अनुसार तुलसी की 3, 5 या 7 बार परिक्रमा करें। तुलसी के पास दीपक रखते समय पौधे की पत्तियों को नुकसान न पहुंचाएं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शाम के समय तुलसी की पत्तियां तोड़ने से बचना चाहिए। साथ ही तुलसी के पौधे के आसपास गंदगी नहीं रखनी चाहिए। दीपक ऐसी सुरक्षित जगह पर रखें, जहां आग लगने का खतरा न हो।

विधान परिषद चुनाव 2026-भाजपा के 'अभेद्य किलों' में कैसी सेंध ? गढ़ ध्वस्त या स्थानीय नाराज़गी का संकेत?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

- वाराणसी, नागपुर और पटना के नतीजों से मचा सियासी घमासान -क्या 2027 के पांच राज्यों में चुनाव से पहले बदल रही है राजनीतिक बिसात? बैलेट से निकला सियासी संदेश! -समग्र व्यापक महा-विश्लेषण

एक तरफ एनडीए की 16 सीटें, दूसरी तरफ भाजपा के मज़बूत क्षेत्रों में हार! -28 एमएलसी सीटों के नतीजों ने खोली सियासत की नई परत -क्या बदल रहा है राजनीतिक गढ़ों का गणित?

वाराणसी से नागपुर और पटना तक के नतीजों से मज़बूत किलों में झटकों ने छेड़ी नई सियासी बहस! खड़े किए बड़े सवाल! -क्या पुराने सियासी समीकरण बदल रहे हैं? -2027 के पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की चुनौती और भविष्य की राजनीतिक बहस क्या है बैलेट का संदेश? वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है,जहां चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, असंतोष, विश्वास और परिवर्तन की इच्छा को व्यक्त करने का संवैधानिक माध्यम भी हैं। यहां लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में आम मतदाता अपने प्रतिनिधियों को चुनते हैं,जबकि विधान परिषद की कुछ सीटों पर शिक्षक,स्नातक स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि तथा राज्यपाल द्वारा मनोनीत सदस्य जैसे अलग-अलग वर्गों को प्रतिनिधित्व मिलता है।राज्यसभा के माध्यमसे राज्यों का प्रतिनिधित्व संसद के उच्च सदन में होता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि इस बहुस्तरीय व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही है कि लोकतंत्र में केवल संख्या ही नहीं,बल्कि विभिन्न सामाजिक,शैक्षणिक और संस्थागत अनुभवों की आवाज़ भी सुना जाए।दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से आए नतीजो का विशेष महत्व इसलिए है कि इनमें मतदाता बनने के लिए निर्धारित पात्रता और पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करनी होती है। ऐसे मतदाताओं से शिक्षा,रोजगार, प्रशासन, सार्वजनिक सेवाओं और विकास संबंधी मुद्दों पर विचार करने की अपेक्षा की जाती है।हालांकि,किसी मतदाता की शैक्षणिक योग्यता अपने आप में उसके राजनीतिक विवेक की गारंटी नहीं होती;लोकतंत्र की असली ताक़त स्वतंत्र निर्णय,जागरूकता और निष्पक्ष मतदान में सटीकता से निहित है। साथियों बात अगर हम 23 अक्टूबर का मतदान,29 अक्टूबर2026 को आए नतीजों की चर्चा कर इसको समझने की करें तो,23 अक्टूबर 2026 को चार राज्यों उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, बिहार और कर्नाटक में विधान परिषद की 28 सीटों के लिए मतदान हुआ।इन चुनावों में शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल थे तथा मतदान मतपत्रों के माध्यम से कराया गया।मतगणना कई जगह लंबी चली और 29 अक्टूबर को सामने आए नतीजों ने राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में जगह बना ली। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार,28 सीटों में भाजपा ने 13 सीटें जीतीं,जबकि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपनी स्थिति मजबूत की और जन सुराज पार्टी ने बिहार में विधान परिषद में अपना खाता खोला।इस चुनाव में एनडीए के कुल 16 सीटें जीतने का आंकड़ा भी राजनीतिक चर्चा में सामने आया है,लेकिन भाजपा और उसके सहयोगियों के परिणामों को अलग- अलग समझना आवश्यक है।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न केवल यह नहीं है कि किस गठबंधन नेकितनी सीटें जीतीं,बल्कि यह भी है कि किन क्षेत्रों में मतदाताओं ने स्थापित राजनीतिक समीकरणों से अलग फैसला सुनाया। साथियों, मेरे लिए भी यह चुनाव व्यक्तिगत रूप से लोकतांत्रिक सहभागिता का अनुभव रहा,क्योंकि मैंने 23 अक्टूबर 2026 को स्नातक मतदाता निर्वाचन क्षेत्र से अपने मताधिकार का प्रयोग किया।मतदान केंद्र पर अन्य मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी देखकर यह महसूस हुआ कि लोकतंत्र में प्रत्येक मत का अपना महत्व है।शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान करने वाला प्रत्येक नागरिक अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर उम्मीदवार का चयन करता है।इसलिए इन नतीजों को केवल राजनीतिक दलों की जीत-हार के चश्मे से नहीं,बल्कि मतदाता की अपेक्षाओं, स्थानीय समस्याओं, उम्मीदवार की पहुंच और संगठनात्मक सक्रियता के संदर्भ में भी सटिका से देखना चाहिए। साथियों बात अगर हम कांग्रेस नेत्री का वायरल वीडियो और 'गढ़ ध्वस्त' होने का दावा इसको समझने की करें तो 29 अक्टूबर को सोशल मीडिया पर कांग्रेस की एक नेत्री और प्रवक्ता का वीडियो चर्चा में आया,जिसमें भाजपा की हार को लेकर तीखी राजनीतिक टिप्पणी की गई।वीडियो में कथित तौर पर कहा गया कि बैलेट से चुनाव होने पर भाजपा के गढ़ ढह गए और बड़े नेताओं के क्षेत्रों में पार्टी को झटके लगे। इस बयान को विपक्ष की राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में देखना उचित होगा, न कि पूरे चुनाव का निष्पक्ष निष्कर्ष मान लेना। चुनाव परिणामों की व्याख्या में विपक्ष अपनी बात रखेगा और सत्तारूढ़ दल अपनी उपलब्धियों तथा जीती गई सीटों को सामने रखेगा। लोकतांत्रिक विमर्श में दोनों पक्षों के दावों को वास्तविक परिणामों और निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़ों की कसौटी पर परखना आवश्यक है।मतपत्रों से मतदान होना अपने आप में किसी दल की हार या जीत का कारण सिद्ध नहीं करता; मतदान प्रणाली और परिणाम के बीच संबंध स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण चाहिए।इस चुनाव का वास्तविक संदेश स्थानीय स्तर पर मतदाताओं के बदलते रुझान, उम्मीदवारों की स्वीकार्यता और राजनीतिक दलों की जमीनी तैयारी में तलाशना अधिक सार्थक होगा।

साथियों बात अगर हम वाराणसी : प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में सपा की सफलता का राजनीतिक अर्थ को समझने की करें तो, वाराणसी का परिणाम इसलिए विशेष चर्चा में है क्योंकि प्रधानमंत्री इसी लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं,इसलिए यहां के विधान परिषद चुनावों को राजनीतिक दल अपने संगठन और स्थानीय जनाधार की स्थिति समझने के अवसर के रूप में देख सकते हैं। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी की शिक्षक और स्नातक,दोनों सीटों पर सफलता हासिल की।उत्तर प्रदेश की घोषित सीटों के परिणामों में भाजपा ने छह और सपा ने पांच सीटें जीतीं।यह नतीजा भाजपा के लिए स्थानीय स्तर पर आत्ममंथन का विषय हो सकता है, लेकिन इसे प्रधानमंत्री के प्रति पूरे देश के मतदाताओं के रुख का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा।वाराणसी संभाग के राजनीतिक महत्व को समझने के लिए इसके आठ जिलों वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, चंदौली, भदोही, मिर्जापुर और सोनभद्र, की सामाजिक एवं राजनीतिक विविधता पर ध्यान देना होगा।इन जिलों में जातीय समीकरण स्थानीय नेतृत्व, शिक्षकों की समस्याएं,रोजगार शिक्षा व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सरकारी सेवाओं से जुड़ी अपेक्षाएं अलग- अलग प्रभाव डाल सकती हैं। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनावों में इस क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बढ़त मिली थी, लेकिन विधान परिषद के चुनावों में मतदाता समूह सीमित और अलग पात्रता वाला होता है।इसलिए शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का फैसला आगामी विधानसभा चुनाव में पूरे क्षेत्र की जनता के मतदान व्यवहार का सीधा प्रतिनिधि नहीं माना जा सकता।फिर भी, दोनों वाराणसी सीटों पर सपा की सफलता भाजपा के स्थानीय संगठन के लिए यह विचार करने का अवसर है कि क्या उम्मीदवारों के चयन, मतदाताओं से संपर्क और पेशेवर वर्गों की समस्याओं पर सटिका से पर्याप्त ध्यान दिया गया था।

साथियों बात अगर हम नागपुरः संघ मुख्यालय मुख्यमंत्री व केंद्रीय परिवहन मंत्री का गृहक्षेत्र और भाजपा के प्रभाव वाले क्षेत्र में कांग्रेस की जीत को समझने की करें तो, महाराष्ट्र का नागपुर राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्यालय है और यह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृह क्षेत्र भी है।ऐसे क्षेत्र में स्नातक निर्वाचन सीट पर कांग्रेस के अभिजीत वंजारी की जीत ने परिणामों को राष्ट्रीय चर्चा में ला दिया।वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को कुल 3,271 मतों से पराजित किया।उन्हें 67,231 मत मिले,जबकि कोहले को 63,960 मत प्राप्त हुए ऐसी जानकारी मीडिया से प्राप्त हुई।इस मुकाबले की एक विशेषता मतगणना की प्रक्रिया भी रही। प्रथम वरीयता के मतों में भाजपा उम्मीदवार को बढ़त मिली थी,लेकिन आवश्यक मत- कोटा पूरा नहीं होने के कारण अगली वरीयताओं के मतों की गणना की गई और अंतिम परिणाम बदल गया। इससे स्पष्ट होता है कि विधान परिषद के स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में मतपत्रों पर वरीयता क्रम का कितना महत्व हो सकता है।इस जीत को केवल किसी दल के गढ़ में सेंध लगने के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। -क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है। किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा। दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े। भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है। निस्संदेह, ग्रीन अमोनिया की दिशा में सरकार का प्रयोग भविष्य की कृषि के लिए उम्मीद जगाता है। लेकिन किसानों को ऐसी योजनाओं के परिणामों के लिए वर्षों तक इंतजार नहीं करना चाहिए। सरकार को परीक्षण के नतीजे सार्वजनिक करने, उत्पादन लागत का वास्तविक आकलन करने और किसानों को मिलने वाले संभावित लाभ का स्पष्ट खाका तैयार करना चाहिए। कृषि प्रधान देश में तकनीकी नवाचार की सार्थकता तभी है, जब उसका लाभ खेत और किसान तक पहुंचे। आखिरकार, ग्रीन अमोनिया का उद्देश्य केवल हरित ऊर्जा को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि किसान की जेब पर पडने वाला बोझ कम करना भी होना चाहिए। सस्ती खाद, स्वस्थ मिट्टी और खुशहाल किसान ही इस नई पहल की वास्तविक सफलता का पैमाना होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मुट्ठी भर अमीरों की कीमत चुका रही हैं पूरी दुनिया

ललित गर्ग

दुनिया आज एक ऐसे विरोधाभास के दौर से गुजर रही है, जहां एक ओर विकास, समृद्धि और आधुनिकता के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबी, भुखमरी, हिंसा, विस्थापन और पर्यावरणीय विनाश की चुनौतियां लगातार विकराल होती जा रही हैं। प्रश्न यह है कि जब दुनिया के पास पर्याप्त संसाधन हैं, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व प्रगति की है, तब भी करोड़ों लोग जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहे हैं? अंतरराष्ट्रीय संस्था ऑक्सफैम की रिपोर्ट 'डिजास्टर डिवाइड' इसी प्रश्न का एक असहज, किंतु विचारोत्तेजक उत्तर प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट बताती है कि जलवायु संकट केवल प्रकृति की नाराजगी नहीं, बल्कि आर्थिक असमानता, अनियंत्रित उपभोग और संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों के बढ़ते नियंत्रण का परिणाम भी है। दुनिया की लगभग 80 लाख आबादी वाले सबसे धनी 0.1 प्रतिशत वर्ग की जीवनशैली और निवेश से होने वाला कार्बन उत्सर्जन करोड़ों नहीं, अरबों लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्ग दुनिया के सबसे गरीब 44 प्रतिशत लोगों की तुलना में अधिक कार्बन प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। यह असमानता केवल आंकड़ों का अंतर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनहीनता का ऐसा दस्तावेज है, जिसमें कुछ लोगों की विलासिता की कीमत पूरी मानवता चुका रही है। निजी विमान, विशाल नौकाएं, अत्यधिक ऊर्जा खपत और प्रदूषणकारी उद्योगों में निवेश आधुनिक अमीरी के प्रतीक बन गए हैं, जबकि दूसरी ओर गरीब आबादी स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। सवाल यह नहीं कि किसी व्यक्ति के पास कितनी संपत्ति है, बल्कि यह है कि उसकी संपन्नता का सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्य कौन चुका रहा है। इस संकट का सबसे भयावह पक्ष यह है कि जलवायु आपदाएं भी अमीर और गरीब के बीच भेदभाव करने लगी हैं। बाढ़ एक ही समय में अमीर की आलीशान कोठी और गरीब की झोपड़ी तक पहुंचती है, लेकिन दोनों के परिणाम अलग होते हैं। अमीर सुरक्षित स्थानों पर चले जाते हैं, बीमा और आधुनिक सुविधाओं से नुकसान की भरपाई कर लेते हैं, जबकि गरीब अपना घर, खेत, पशुधन और आजीविका गंवाकर वर्षों पीछे चला जाता है। ऑक्सफैम के अनुसार, अधिक आर्थिक असमानता वाले देशों में बाढ़ से होने वाली मौतें सात गुना तक अधिक होती हैं। इतना ही नहीं, रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का उत्सर्जन भविष्य में लगभग 19 लाख अतिरिक्त गर्मी-संबंधी मौतों का कारण बन सकता है। इनमें 78 प्रतिशत मौतें निम्न एवं निम्न-मध्यम आय वाले देशों में होने का अनुमान है। आर्थिक असमानता का यह अंतर केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है। जब समाज में संसाधनों, अवसरों और अधिकारों का वितरण अन्यायपूर्ण हो जाता है, तब असंतोष जन्म लेता है। बेरोजगारी, महंगाई, खाद्य संकट, जल संकट और विस्थापन सामाजिक तनाव को बढ़ाते हैं। धीरे-धीरे यही तनाव आक्रोश, विद्रोह, अपराध, सामुदायिक संघर्ष और हिंसा का रूप ले सकता है। यह कहना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक हिंसा के पीछे केवल अमीरी-गरीबी का अंतर है, लेकिन जब विकास का लाभ सीमित हाथों में सिमटता है और संकट का बोझ बहुसंख्यक आबादी पर पड़ता है, तब सामाजिक शांति की नींव कमजोर होना स्वाभाविक है। विडंबना यह है कि कुछ बड़े निवेशक पहले प्रदूषणकारी उद्योगों से मुनाफा कमाते हैं और फिर उन्हीं आपदाओं से निपटने, सफाई तथा पुनर्निर्माण के कारोबार में लाभ अर्जित करते हैं। ऑक्सफैम का 'डिस्ट्रॉय एंड रीबिल्ड इंडेक्स' 217 कंपनियों के माध्यम से इसी दोहरे मुनाफे की पड़ताल करता है। यह सचमुच ऐसी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न है, जहां किसी के लिए आपदा भी अवसर बन जाती है और किसी के लिए जीवनभर का अभिशाप। भारत के संदर्भ में यह चेतावनी और भी गंभीर है। भारत की विशाल आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि, निर्माण, छोटे व्यवसायों और असंगठित क्षेत्र पर निर्भर है। किसान अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़ और तापमान वृद्धि से जूझ रहा है। मजदूर भीषण गर्मी में काम करने को विवश है और महानगरों की झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले परिवार जलभराव तथा गर्मी की दोहरी मार झेल रहे हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी ऐसे जिलों में रहती है जो जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाओं के जोखिम में हैं। वहीं, देश के 57 प्रतिशत जिलों में रहने वाली लगभग 76 प्रतिशत आबादी अत्यधिक गर्मी के उच्च या बहुत उच्च जोखिम का सामना कर रही है। भारत के लिए चुनौती केवल आर्थिक विकास की गति बढ़ाना नहीं, बल्कि विकास को न्यायपूर्ण, समावेशी और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है। विकसित भारत 2047 का स्वप्न तभी सार्थक होगा, जब विकास की चमक अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यदि एक ओर महानगरों में विलासिता और उपभोग के नए कीर्तिमान बनें और दूसरी ओर गांवों में किसान पानी, बिजली और आजीविका के लिए संघर्ष करता रहे, तो विकास की तस्वीर अधूरी ही रहेगी। विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत करना होगा कि आर्थिक समृद्धि और प्रकृति के संरक्षण के बीच संतुलन संभव है। इसके लिए कुछ बुनियादी प्राथमिकताएं आवश्यक हैं। संपन्न वर्ग और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की जवाबदेही तय हो, विलासितापूर्ण उपभोग पर उचित कर व्यवस्था बने, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहन मिले और जल, जंगल तथा जमीन के संरक्षण को विकास की अनिवार्य शर्त बनाया जाए। साथ ही, जलवायु आपदाओं से प्रभावित किसानों, मजदूरों और कमजोर समुदायों के लिए सामाजिक सुरक्षा, बीमा, स्वास्थ्य सुविधाएं तथा पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था हो। विकास का लाभ केवल पूंजी के स्वामियों तक सीमित न रहे, बल्कि श्रम करने वाले हाथों तक भी पहुंचे। भारत की सांस्कृतिक चेतना में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः', 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'अपरिग्रह' जैसे जीवन-मूल्य सदियों से प्रतिष्ठित रहे हैं। महात्मा गांधी का 'सादा जीवन, उच्च विचार' केवल व्यक्तिगत आचरण का संदेश नहीं, बल्कि संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व का दर्शन है। जैन दर्शन का अपरिग्रह भी यही सिखाता है कि आवश्यकता से अधिक संग्रह अंततः समाज में असंतुलन पैदा करता है। प्रकृति हमारी संपत्ति नहीं, आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। अंततः ऑक्सफैम की 'डिजास्टर डिवाइड' रिपोर्ट दुनिया के सामने एक बुनियादी नैतिक प्रश्न खड़ा करती है-क्या विकास का अर्थ कुछ लोगों की असीमित समृद्धि और बहुसंख्यक मानवता की बढ़ती विवशता है? पृथ्वी किसी एक वर्ग की जागीर नहीं, न ही उसके संसाधनों पर किसी मुट्ठी भर लोगों का एकाधिकार हो सकता है। आज आवश्यकता अमीरी को अपराध मानने की नहीं, बल्कि अमीरी के साथ जवाबदेही जोड़ने की है। याद रखना होगा कि जब समाज में विषमता की खाई बहुत गहरी हो जाती है, तब असंतोष की आग सीमाओं में नहीं बंधती।

आज का राशिफल

मेष राशिः कल आपका दिन ऊर्जावान बना रहेगा। कारोबार में नए अवसर मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार के साथ किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। महत्वपूर्ण फैसले लेते समय किसी अनुभवी की सलाह जरूर लें। सेहत सामान्य रहेगी। आज शाम किसी पुराने परिचित से सुखद मुलाकात हो सकती है। जीवन में नई उम्मीदों का संचार होगा।

वृष राशिः कल का दिन आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खोलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से अचानक मुलाकात हो सकती है। आज किसी नए काम की शुरुआत के लिए समय बेहद अनुकूल रहेगा। भविष्य को लेकर बनाई गई योजनाएं सफल होंगी।

मिथुन राशिः कल आपको अपनी वाणी पर थोड़ा संयम रखने की जरूरत है। सोचे हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। छात्रों का मन पढ़ाई में लगेगा। यात्रा के दौरान अपनी कीमती वस्तुओं का खास ख्याल रखें। आज किसी करीबी की सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशिः कल आपको कारोबार में अच्छा खासा लाभ मिलने की उम्मीद है। घर-परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। किसी पुराने निवेश से फायदा हो सकता है। सेहत के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा, खान-पान का ध्यान रखें। आज मन में सकारात्मक विचारों की अधिकता बनी रहेगी। घर के बुजुर्गों का स्नेह प्राप्त होगा।

सिंह राशिः कल का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा। कामकाज की अधिकता के कारण थकान महसूस हो सकती है। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर छोटी-मोटी अनबन हो सकती है, धैर्य से काम लें। आर्थिक स्थिति ठीक बनी रहेगी। आज रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि अधिक देखने को मिलेगी। अपनी छुपी हुई प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। आज अपनी सेहत का विशेष ख्याल रखने की जरूरत है।

कन्या राशिः कल भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। लंबे समय से रुका हुआ कोई जरूरी काम पूरा हो सकता है। दफ्तर में सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आज किसी धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। मन में आंतरिक शांति बनी रहेगी।

तुला राशिः कल आपके अधूरे पड़े कार्य आसानी से निपट जाएंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होने से राहत महसूस करेंगे। किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं। आज आपके मान-सम्मान में वृद्धि होने के योग हैं। सामाजिक दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वृश्चिक राशिः कल आपके सोचे हुए सभी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे, जिससे मान-सम्मान बढ़ेगा। छात्रों को अपनी मेहनत के अनुकूल शुभ परिणाम मिलेंगे। प्रेम जीवन में मिठास बनी रहेगी। आज किसी प्रिय मित्र से मन की बात साझा करके हल्कापन महसूस करेंगे। कार्यशैली में सुधार देखने को मिलेगा।

धनु राशिः कल का दिन आपके लिए बहुत ही शानदार रहने वाला है। व्यापार में अचानक बड़ा धन लाभ होने के योग हैं। परिवार के साथ किसी बेहतरीन जगह पर घूमने का प्लान बना सकते हैं। मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा। आज भविष्य की योजनाओं पर गंभीरता से विचार करेंगे। वैचारिक दृढ़ता से हर काम आसान होगा।

मकर राशिः कल आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी नए काम की शुरुआत करने के लिए समय उत्तम है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है। खान-पान पर विशेष ध्यान दें, पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है। आज वरिष्ठ अधिकारियों का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं।

कुंभ राशिः कल आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति पहले से काफी मजबूत होगी। घ

भारत ने दूसरे वनडे में डकवर्थ-लुईस नियम से न्यूजीलैंड को चार रन से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त

एजेंसी, वेलिंगटन



तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार रनों से हरा दिया। शनिवार को वेलिंगटन के हेनरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बरार ने 30 रन देकर चार विकेट लिए, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 41 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। जवाब में भारतीय टीम ने बारिश के कारण खेल रोके जाने तक 24.4 ओवर में सात विकेट पर 113 रन बना लिए थे। बउस समय भारत डकवर्थ-लुईस-स्टर्न (डीएलएस) पद्धति के निर्धारित पार स्कोर से चार रन आगे था, हालांकि बारिश के कारण मैच शुरु नहीं हो सका और भारत ने 4 रन से जीत हासिल कर ली। इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली।

135 रनो के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। कप्तान शुभमन गिल पहले ही ओवर में बिना खाता खोले जैकब डफी की गेंद पर आउट हो गए। भारत ने 1.1 ओवर में चार रन पर पहला विकेट गंवा दिया। विराट कोहली ने डफी के खिलाफ शानदार कवर ड्राइव लगाकर अपना खाता खोला, जबकि रोहित शर्मा ने काइल जैमीसन की गेंद पर चौका जड़ा। हालांकि, डफी की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में कोहली विल यंग को कैच दे बैठे। वह सात रन बनाकर आउट हुए। भारत का स्कोर 3.4 ओवर में दो विकेट पर 17 रन हो गया। रोहित शर्मा ने इसके बाद जैमीसन के खिलाफ दो छक्के लगाकर पारी को आगे बढ़ाया। इनमें उनका पसंदीदा पुल शॉट भी शामिल था। हालांकि, जैमीसन की गेंद पर वह हेनरी निकोल्स को स्लिप में कैच दे बैठे। रोहित ने 27 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 23 रन बनाए। भारत ने 8.4 ओवर में 39 रन पर तीसरा विकेट गंवा दिया। अक्षर पटेल भी बल्ले से संघर्ष करते नजर आए और मैथ्यू फिशर की गेंद पर 17 गेंदों में सात रन बनाकर आउट हो गए। 12.5 ओवर में भारत का स्कोर 47 रन पर चार विकेट था।

इसके बाद उपकप्तान श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 39 रन जोड़े। राहुल ने नाथन स्मिथ के 16वें ओवर में चौका और छक्का लगाया, जबकि अय्यर ने फिशर के 19वें ओवर में दो चौके जड़े। जैमीसन ने इस साझेदारी को तोड़ते हुए अय्यर को आउट किया। उन्होंने 46 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाए। भारत ने 20 ओवर में 86 रन पर पांचवां विकेट गंवा दिया।

राहुल ने 22.5 ओवर में छक्का लगाकर भारत को 100 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, नमन धीर ज्यादा देर उनका साथ नहीं दे सके। उनका हवाई शॉट डीप बैकवर्ड स्क्वायर पर टिम सीफर्ट ने लपक लिया। नमन ने 16 गेंदों में 12 रन बनाए। भारत का स्कोर 24.4 ओवर में 108 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद जैमीसन ने अंशुल कंबोज को एक रन पर आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। भारत का स्कोर 111 रन पर सात विकेट था। इसी दौरान बारिश ने खेल रोक दिया। उस समय राहुल 38 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद थे। भारत डीएलएस पार स्कोर से चार रन आगे होने के कारण विजेता घोषित हुआ। इससे पहले बारिश के कारण देरी से शुरू हुए मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने बादलों से ढकी परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया और न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। न्यूजीलैंड की टीम 40.6 ओवर में 134 रन पर सिमट गई।

भारतीय महिला टीम के पूर्व कोच गुरदयाल सिंह का निधन, हॉकी इंडिया ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने शनिवार को भारतीय महिला हॉकी टीम के पूर्व मुख्य कोच गुरदयाल सिंह भंगू के निधन पर शोक व्यक्त किया। भंगू का 86 वर्ष की आयु में कनाडा के सरे में निधन हो गया। उनके मार्गदर्शन में भारतीय महिला टीम ने 2002 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। टीम की यह ऐतिहासिक उपलब्धि कुछ वर्षों बाद बनी बॉलीवुड फिल्म 'चक दे! इंडिया' की प्रेरणा भी बनी।

हॉकी इंडिया ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शोक संदेश में कहा, "2002 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच रहे गुरदयाल सिंह भंगू के 86 वर्ष की आयु में निधन से हॉकी इंडिया शोकाकुल है। भारतीय हॉकी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं।" भंगू को 1998 में भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। उस समय विश्व कप में भारतीय टीम 12वें स्थान पर रही थी। भंगू के मार्गदर्शन में टीम ने कुछ ही महीनों बाद एशियाई खेलों में रजत पदक जीता। इसके बाद उन्होंने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। वर्ष 2002 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर में हुए राष्ट्रमंडल खेलों के फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 3-2 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। मुकाबले का फैसला अतिरिक्त समय में हुआ, जहां ममता खरब ने गोल्डन गोल कर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। विपरीत परिस्थितियों में मिली इस जीत की कहानी ने फिल्मकार शिमित अमीन को 'चक दे! इंडिया' बनाने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, फिल्म में शाहरुख खान द्वारा निभाए गए कबीर खान के किरदार की प्रेरणा मीर रंजन नेगी थे। 1982 के एशियाई खेलों के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की हार के बाद नेगी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। वह 2002 राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला टीम के गोलकीपिंग कोच भी थे। भंगू का जन्म 3 अक्टूबर 1941 को लायलपुर में हुआ था, जो अब पाकिस्तान में है। उन्होंने 1965 में पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान में प्रवेश लिया और वहां हॉकी के महान खिलाड़ी ध्यानचंद के मार्गदर्शन में काम किया। उन्होंने 1972 से 1976 तक नाइजीरिया की महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में जिम्मेदारी निभाई। उनके मार्गदर्शन में नाइजीरियाई टीम ने 1976 में पहली बार विश्व कप में हिस्सा लिया। इसके बाद 1998 में उन्हें भारतीय महिला टीम का मुख्य कोच बनाया गया। भारतीय हॉकी में उनके योगदान के लिए उन्हें द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह यह पुरस्कार पाने वाले हॉकी के पहले कोच थे। बाद में वह कनाडा के सरे में बस गए, जहां 86 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।

तीसरा अनौपचारिक टेस्टः यशस्वी का लगातार दूसरा शतक, भारत ए मजबूत स्थिति में

एजेंसी, लिंकन



यशस्वी जायसवाल के लगातार दूसरे शतक और साई सुदर्शन की नाबाद अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ए ने न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन मजबूत स्थिति बना ली। शनिवार को बर्ट सटक्लिफ ओवल में बारिश के कारण खेल जल्दी समाप्त होने तक भारत ए ने 69.3 ओवर में दो विकेट पर 227 रन बना लिए थे। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की टीम को जायसवाल और सुदर्शन ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। जायसवाल ने 138 गेंदों पर 16 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए। दौरे पर लगातार दूसरे मुकाबले में शतक लगाकर उन्होंने अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए। इससे पहले उन्होंने पिछले मैच में भी शतकीय पारी खेली थी। जायसवाल 47वें ओवर में डैनरू फर्न्स की गेंद पर कैमरन पॉल के हाथों कैच आउट हुए। उनके आउट होने के बाद देवदत्त पडिक्कल क्रीज पर आए, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। पडिक्कल ने 53 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 15 रन बनाए। उन्हें 63वें ओवर में जारोड मैके की गेंद पर विकेटकीपर मैक्स चू ने कैच किया। इस समय भारत ए का स्कोर 209 रन था। दूसरे छोर पर साई सुदर्शन ने धैर्य और संयम के साथ बल्लेबाजी जारी रखी। वह 205 गेंदों पर 10 चौकों की मदद से 77 रन बनाकर नाबाद हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल ने उनका अच्छा साथ दिया। जुरेल 24 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 18 रन की अटूट साझेदारी कर दिन का खेल समाप्त किया। न्यूजीलैंड ए की ओर से डैनरू फर्न्स और जारोड मैके को एक-एक विकेट मिला। बारिश के कारण पहले दिन 20 से अधिक ओवर का खेल नहीं हो सका। दूसरे दिन भारत ए की पारी सुदर्शन (77) और जुरेल (12) आगे बढ़ाएंगे। टीम की कोशिश इस मजबूत शुरुआत को बड़े पहली पारी के स्कोर में बदलने की होगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए बड़ौदा टीम में हार्दिक पांड्या को जगह नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी का इंतजार और लंबा हो गया है। आगामी सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए घोषित बड़ौदा की 15 सदस्यीय टीम में हार्दिक को जगह नहीं मिली है। उनके भाई क्रुणाल पांड्या टीम की कप्तानी करेंगे। हार्दिक ने आखिरी बार 24 मई को आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की ओर से मुकाबला खेला था। इसके बाद से वह चोटों के कारण क्रिकेट से दूर हैं। अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज के लिए उन्हें भारत ए की टीम में चुना गया था, लेकिन पिंडली में दोबारा चोट लगने के कारण उनका नाम वापस ले लिया गया। उस समय रिपोर्ट के अनुसार, गेंदबाजी करते हुए हार्दिक पूरी तरह दर्दमुक्त नहीं थे। आईपीएल के बाद से हार्दिक ने अपना काफी समय बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बिताया है। आईपीएल के दौरान उन्हें पहले पीठ में ऐंठन की समस्या हुई और इसके बाद पैर में खिंचाव की शिकायत सामने आई। हार्दिक ने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला आईपीएल से ठीक पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में खेला था। भारतीय टीम फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में व्यस्त है। इसके बाद दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेगी। अगले साल अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन हार्दिक को जल्द से जल्द टीम में वापस देखना चाहेगा। वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के प्रमुख ऑलराउंडरों में शामिल हैं। हालांकि, मुख्य कोच गौतम गंभीर पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि हार्दिक और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह फिट हुए बिना विश्व कप में नहीं उतारा जाएगा।

बिजनेस

दीपावली पर देशभर में अब तक 6 लाख करोड़ से अधिक का कारोबार : कैट

एजेंसी, नई दिल्ली



दीपावली से पहले धनतेरस पर देशभर के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सोने-चांदी के आभूषणों से लेकर मोबाइल, टीवी, कपड़े, मिठाइयां और सजावट के सामान की खूब बिक्री हुई। इस बार दिल्ली में कारोबार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया। देशभर में दीपावली से जुड़ा कारोबार 6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। कारोबारियों के संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने शनिवार को एक बयान में अनुमान जताया कि दीपावली पर खरीदारी का यह आंकड़ा बढ़कर 7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। कैट ने दिल्ली के व्यापारियों की ओर से दिल्लीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने इस बार दीपावली की खरीदारी में जिस उत्साह, विश्वास और बड़ी संख्या में बाजारों में पहुंचकर भागीदारी की है। वह दिल्ली के व्यापारिक समुदाय के लिए अत्यंत उत्साहवर्धक है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में उमड़कर न केवल व्यापारियों की आर्थिक गतिविधियों को नई गति दी है, बल्कि राहुल गांधी की एक नवंबर की रैली तथा पिछले एक महीने से दिल्ली में चल रहे धरनों, प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण व्यापार को हुए भारी नुकसान के बीच एक सकारात्मक और प्रभावशाली संदेश भी दिया है। खंडेलवाल ने कहा कि धन्यवाद दिल्ली केवल एक नारा नहीं, बल्कि दिल्ली के करोड़ों व्यापारियों, दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों, दिहाड़ी मजदूरों और छोटे उद्यमियों की ओर से दिल्ली की जनता के प्रति कृतज्ञता की सच्ची अभिव्यक्ति है।

उन्होंने कहा कि दिल्लीवासियों ने बाजारों में पहुंचकर यह साबित कर दिया है कि वे त्योहारों की खुशियों, आर्थिक गतिविधियों और व्यापारिक जीवन को किसी भी राजनीतिक व्यवधान के कारण रुकने नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और अन्य आंदोलनकारियों को दिल्ली की जनता ने अपने व्यवहार और बाजारों में की गई जबरदस्त खरीदारी से करारा जवाब दिया है। लोकतंत्र में विरोध और प्रदर्शन का अधिकार सभी को है, लेकिन किसी भी राजनीतिक गतिविधि के कारण आम नागरिकों की आवाजाही, व्यापारियों की आजीविका और लाखों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित नहीं होनी चाहिए। दिल्ली की जनता ने इस दिवाली पर व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के पक्ष में अपनी स्पष्ट भावना व्यक्त की है। खंडेलवाल ने बताया कि अब तक दिल्ली में दिवाली का कुल व्यापार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है, जबकि देशभर में दीपावली से संबंधित कारोबार 6 लाख करोड़ रुपये रुपये से अधिक हो गया है। बाजारों में ग्राहकों की लगातार बढ़ती भीड़ और खरीदारी के उत्साह को देखते हुए यह आंकड़ा 7 लाख करोड़ रुपये के कारोबार को पार करेगा।

सप्ताह का महाधमाका- निफ्टी 25,000 और सेंसेक्स 81,000 के पार विदेशी निवेशकों की तूफानी वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता कारोबारी हफ्ता काफी शानदार रहा। इस पूरे सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मुख्य सूचकांक लगातार मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। अमेरिक में हुए मिडटर्म पोल में डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी की हार और विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट की धमाकेदार जीत के बाद ग्लोबल मार्केट से आए पॉजिटिव संकेतों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की आक्रामक वापसी ने दलाल स्ट्रीट पर जबरदस्त उत्साह भर दिया। इस तूफानी तेजी के चलते 6 नवंबर को समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान 27 फरवरी के बाद पहली बार निफ्टी ने 25,000 अंक और सेंसेक्स ने 81,000 के स्तर को पार किया। पूरे हफ्ते के शानदार कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 6,598.49 अंक यानी 8.82 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त के साथ 81,028.02 अंक पर बंद हुआ।

तेल कंपनियों ने पेट्रोल में '31 फीसदी इथेनॉल' होने के कर्नाटक सरकार के दावे को खारिज किया

इन कंपनियों ने सैंपलिंग प्रक्रिया पर उठाए सवाल

एजेंसी, नई दिल्ली



सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कर्नाटक सरकार के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि राज्य के कुछ खुदरा केंद्रों पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 31 फीसदी तक इथेनॉल था। तेल कंपनियों का कहना है कि यह नतीजे निर्धारित प्रक्रियाओं के तहत की गई जांच पर आधारित नहीं हैं। तेल विपणन कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने जारी एक संयुक्त बयान में कर्नाटक सरकार के दावे को खारिज कर दिया है। कंपनियों ने कहा कि उन्होंने राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और विधिक माप विज्ञान विभाग की ओर से जारी की गई एक विज्ञप्ति पर ध्यान दिया है। कंपनियों ने कहा कि कर्नाटक सहित देशभर में उनके द्वारा सप्लाई किया जाने वाला ई-20 पेट्रोल, इथेनॉल-मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के आईएस17021 मानक के अनुरूप है। इसकी गुणवत्ता की नियमित रूप से कड़ी जांच की जाती है। तेल कंपनियों का यह स्पष्टीकरण कर्नाटक के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले एवं कानूनी माप विज्ञान विभाग के उस दावे के बाद आया है, जिसमें यह कहा गया था कि पेट्रोल पंपों से लिए गए नमूनों में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 20 प्रतिशत मिश्रण सीमा से काफी अधिक पाई गई। राज्य सरकार ने यह भी आशंका जताई थी कि इससे उपभोक्ताओं को कम माइलेज और वाहनों के रखरखाव पर अधिक खर्च के रूप में आर्थिक नुकसान हो सकता है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक सरकार ने जारी एक विज्ञप्ति में यह दावा किया था कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर मिलने वाले पेट्रोल में 26 फीसदी से 31 फीसदी तक इथेनॉल मौजूद है। राज्य सरकार ने यह आरोप लगाया है कि तेल विपणन कंपनियां पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा निर्धारित 20 फीसदी की सीमा से अधिक मिला रही हैं, जांच में यह मात्रा 31.2 फीसदी तक पाई गई है। राज्य सरकार ने इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रविवार होने के बावजूद कल शेयर बाजार में 2:20 से लेकर 3:30 बजे तक होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

एजेंसी, नई दिल्ली



दिवाली के अवसर पर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में इस साल दोपहर बाद 2:20 बजे से लेकर 3:30 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग होगी। हर साल दिवाली के दिन पारंपरिक तौर पर होने वाले इस एक घंटे के विशेष ट्रेडिंग सेशन का समय कुछ दिन पहले ही एनएसई और बीएसई द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किया गया था।

इस बार दिवाली कल रविवार के दिन पड़ रही है। रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण शेयर बाजार में नियमित कामकाज बंद रहता है लेकिन दिवाली के अवसर पर नए वित्तीय निवेश की शुरुआत करने और लक्ष्मी नववर्ष का स्वागत करने के लिए हर साल की तरह इस साल भी मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए बाजार विशेष रूप से खोले जाएंगे। भारतीय संस्कृति और व्यापार जगत में मुहूर्त ट्रेडिंग के इस एक घंटे के सत्र को बेहद पवित्र और समृद्धि लाने वाला माना जाता है, जहां ट्रेडर्स और आम निवेशक नए सौदों की शुरुआत के साथ ही मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना भी करते हैं। इस विशेष कारोबारी सत्र के समय की बात करें तो कल मुख्य मुहूर्त ट्रेडिंग दोपहर बाद 2:20 बजे शुरू होगी और 3:30 बजे समाप्त होगी।

धनतेरस बीतते ही सर्राफा बाजार में आई गिरावट, फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । धनतेरस बीतते ही नरक चतुर्दशी के दिन शनिवार को घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,370 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,580 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी में भी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,04,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी, नई दिल्ली



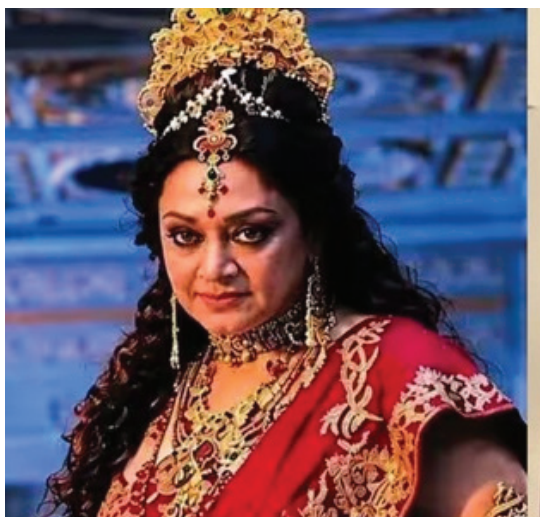
कोका-कोला कंपनी और जुबिलेंट बेवरेजेज द्वारा समर्थित हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स लिमिटेड (एचसीसीएच) ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक एचसीसीएच ने शनिवार को पूंजी बाजार नियामक के समक्ष अपना शुरुआती दस्तावेज को दाखिल किया। सेबी के समक्ष दाखिल मसौदा डीआरएचपी के मुताबिक प्रस्तावित ये आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक हिंदुस्तान कोका-कोला ओवरसीज होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा 99,74,61,456 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) होगा। कंपनी के मुताबिक प्रमोटर शेयरहोल्डर 'हिंदुस्तान कोका-कोला ओवरसीज होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड' के द्वारा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ के लिए 997,461,456 इक्विटी शेयरों तक की बिक्री की जाएगी। चूंकि, यह निर्गम पूरी तरह से ओएफएस है, इसलिए कंपनी को आईपीओ से कोई राशि नहीं मिलेगी और इससे मिलने वाली पूरी राशि शेयर बेचने वाले शेयरधारक के पास जाएगी। इनके शेयर बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध के लिए प्रस्तावित हैं। उल्लेखनीय है कि हिंदुस्तान कोका-कोला होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी अपनी मुख्य सब्सिडियरी, 'हिंदुस्तान कोका-कोला बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड' (एचसीसीबी) के जरिए काम करती है। यह टीसीसीसी के साथ हुए समझौतों के तहत, मुख्य रूप से दक्षिण और पश्चिम भारत के 10 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में अपने तय इलाकों (टेरिटरी) में कारोबार करती है।

फिल्म 'रामायण' में रावण की मां बनीं दिग्गज अभिनेत्री शोभना

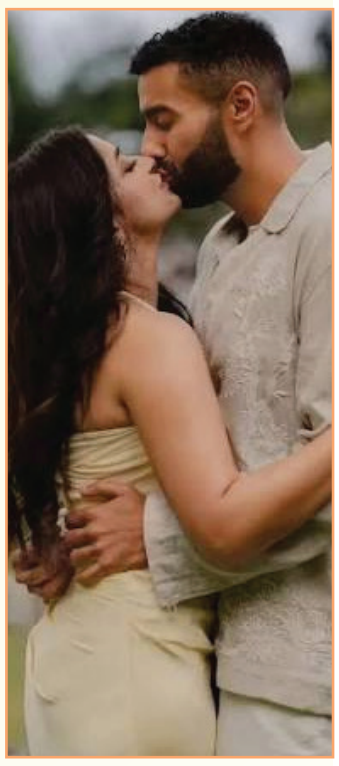
जानिए उनके फिल्मी सफर और कला से जुड़े खास पहलू



नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म 'रामायणः पार्ट 1' इन दिनों काफी चर्चा में है। इस भव्य फिल्म में कई जाने-माने सितारे नजर आने वाले हैं, जिनमें मलयालम सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री शोभना का नाम भी शामिल है। फिल्म में शोभना ने रावण (जिसका किरदार अभिनेता यश निभा रहे हैं) की माता कैकसी का महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। महाकाव्य पर आधारित इस फैंटेसी ड्रामा में शोभना के अभिनय को लेकर दर्शकों और समीक्षकों के बीच काफी उत्साह देखा जा रहा है। आमतौर पर रामायण की कहानियों में इस पात्र को पर्दे पर कम ही प्रमुखता मिलती रही है, लेकिन शोभना ने अपनी अभिनय क्षमता से इस किरदार को एक नई गहराई और विशिष्टता प्रदान की है। चार दशकों से अधिक लंबे अपने शानदार करियर में शोभना ने कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी सशक्त पहचान बनाने वाली शोभना अभिनय के साथ-साथ एक प्रख्यात और प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। वह अपने अब तक के सफर में 200 से अधिक फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें हालिया चर्चित फिल्म 'कल्कि 2898 AD' भी शामिल है। कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए उन्हें देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से भी नवाजा जा चुका है। उन्हें साल 2006 में 'पद्म श्री' और 2025 में 'पद्म भूषण' से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने अपने बेहतरीन अभिनय के दम पर दो बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (बेस्ट एक्ट्रेस) भी जीते हैं। पहला पुरस्कार उन्हें मलयालम फिल्म 'मणिचित्रथाझु' (1993) के लिए और दूसरा अंग्रेजी फिल्म 'मित्र, माय फ्रेंड' (2001) के लिए मिला था। अभिनय के अलावा, शोभना शास्त्रीय नृत्य को आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को सिखाने के कार्य में भी सक्रिय रूप से जुड़ी हुई हैं। वह चेन्नई स्थित 'कलार्पणा' (Kalarpana) नामक प्रसिद्ध नृत्य संस्थान की संस्थापक हैं, जिसके माध्यम से वह नृत्य कला के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पहलुओं का प्रशिक्षण देती हैं। 21 मार्च 1970 को जन्मी शोभना ने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा था और अपनी मेहनत तथा कला के प्रति समर्पण के बल पर सिनेमा जगत में एक खास मुकाम हासिल किया है। 'रामायण' में उनका यह नया रूप उनके प्रशंसकों के लिए एक बड़ा आकर्षण बनने जा रहा है।



हम एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं: जिया शंकर



पिछले कई दिनों से अभिनेत्री जिया शंकर अपने मंगेतर करण धनक के साथ अनबन और सगाई टूटने की खबरें सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही थीं। इस बारे में अब अभिनेत्री ने स्वयं सोशल मीडिया पर एक भावुक और विस्तृत नोट साझा कर अपने रिश्ते की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट कर दिया है। अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जिया ने करण धनक के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें पोस्ट करते हुए बताया कि एक जोड़े के रूप में वे कैसे आगे बढ़ रहे हैं और उनके रिश्ते की सच्चाई क्या है। अपने नोट में जिया ने बहुत ही ईमानदारी से लिखा, अगर किसी ने आपको नहीं बताया कि एक साथ रहना सीखते हुए जिंदगी कितनी मुश्किल हो जाती है, तो मैं बताना चाहती हूं कि ये कोई बॉलीवुड फिल्म नहीं है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि ज्यादातर कपल्स की तरह हम भी एक-दूसरे से बहुत प्यार करते हैं लेकिन कभी-कभी हमारे बीच बहुत झगड़े भी होते हैं और हम बस एक-दूसरे के लिए बेहतर बनना सीख रहे हैं। जिया ने इस बात पर जोर दिया कि वे परफेक्ट नहीं हैं, बल्कि वे केवल इंसान हैं, जिन्हें एक-दूसरे से प्यार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे को चुना। उन्होंने यह भी लिखा कि वे सबसे अच्छे दोस्त हैं और अंत में बस यही उम्मीद करते हैं कि वे सब कुछ समझ जाएं और इस जिंदगी में साथ-साथ आगे बढ़ें। यह संदेश उनके रिश्ते की गहराइयों और चुनौतियों को दर्शाता है, जिसे वे सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने से नहीं कतरा रही थीं। अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर बात करते हुए जिया ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने लिखा, मैं आगे से इस बात का ज्यादा ध्यान रखूंगी कि मैं सोशल मीडिया पर क्या शेयर करती हूं, ताकि किसी भी तरह की अटकलों या बेबुनियाद अफवाहों के लिए कोई जगह न रहे। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि उनके मंगेतर या उनके रिश्ते के बारे में जो कुछ भी कहा गया है, उसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। यह बयान उन सभी अफवाहों को खारिज करता है जो उनके ब्रेकअप को लेकर फैलाई जा रही थीं। अपने नोट को एक सकारात्मक और उम्मीद भरे अंदाज़ में समाप्त करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, क्या अब हम प्यार और दयालुता के साथ आगे बढ़ सकते हैं? मैं आप सभी के लिए प्यार और शांति की कामना करती हूं और उम्मीद करती हूं कि आपको भी ऐसा प्यार मिले जो आपके लिए परफेक्ट हो। दरअसल, जिया और करण के रिश्ते में अनबन की अटकलें तब तेज हुई थीं जब सोशल मीडिया यूजर्स ने गौर किया कि अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर करण को अनफॉलो कर दिया था और उसके बाद दिल टूटने से जुड़े कुछ क्रिप्टिक पोस्ट और रील्स साझा किए थे, जिससे उनकी सगाई टूटने के कयास लगाए जाने लगे थे। हालांकि, तब जिया शंकर ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बयान जारी कर लोगों से उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में कयास न लगाने की अपील की थी।

शादी के रिसेप्शन में एक साथ पहुंचे थलपति विजय और तृषा, तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल



तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व अभिनेता सी. जोसेफ विजय और प्रसिद्ध अभिनेत्री तृषा कृष्णन एक बार फिर सार्वजनिक मंच पर साथ नजर आए हैं। गुरुवार को चेन्नई में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल शादी के रिसेप्शन समारोह में दोनों की मौजूदगी ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस दौरान विजय की माता शोभा चंद्रशेखर भी उनके साथ मौजूद थीं। यह आयोजन आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी के चचेरे भाई वाईएस अनिल रेड्डी की सुपुत्री के विवाह का रिसेप्शन था। कार्यक्रम के दौरान विजय और तृषा ने नवविवाहित जोड़े को मंच पर पहुंचकर शुभकामनाएं दीं और पुष्पगुच्छ भेंट किया। इस अवसर पर विजय भूरे रंग के फॉर्मल सूट में बेहद शालीन नजर आ रहे थे, वहीं तृषा ने हल्के गुलाबी (बेबी पिंक) रंग की आकर्षक साड़ी पहन रखी थी।

समारोह के दौरान विजय की मुलाकात वाईएस जगन मोहन रेड्डी से भी हुई, जहां दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से मुलाकात कर तस्वीरें खिंचवाईं। इस भव्य समारोह में राजनीति और सिनेमा जगत से जुड़ी कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की, लेकिन सोशल मीडिया पर सबसे अधिक चर्चा विजय और तृषा की एक साथ उपस्थिति को लेकर हो रही है। गौरतलब है कि विजय और तृषा की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की बेहद सफल और लोकप्रिय जोड़ियों में से एक मानी जाती है। फिल्मों में शानदार केमिस्ट्री के अलावा दोनों को कई बार निजी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में भी साथ देखा जाता रहा है। इससे पूर्व चेन्नई में निर्माता कलपति एस. सुरेश के पारिवारिक समारोह में भी दोनों साथ नजर आए थे। हाल ही में सितंबर के दौरान दोनों को ब्रिटेन के सिल्वरस्टोन सर्किट में भी देखा गया था, जहां वे अभिनेता अजित कुमार की रेसिंग प्रतियोगिता का हौसला बढ़ाने पहुंचे थे। हालांकि, इन लगातार मुलाकातों और सार्वजनिक मौकों पर साथ दिखने के बावजूद, दोनों ही कलाकारों ने अपने निजी संबंधों को लेकर हमेशा चुप्पी साधे रखी है और किसी भी प्रकार की आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है।

इन फिल्मों में जमी हैं विजय और तृषा की जोड़ी, जानिए दोनों के आगामी प्रोजेक्ट्स का हाल

साउथ सिनेमा के चर्चित अभिनेता थलपति विजय और अभिनेत्री तृषा कृष्णन की जोड़ी ने पर्दे पर कई यादगार फिल्मों में साथ काम किया है। दर्शकों ने 'घिल्ली', 'तिरुपाची', 'आथी', 'कुरुवी' और हालिया ब्लॉकबस्टर 'लियो' जैसी फिल्मों में इनकी शानदार ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को खूब सराहा है। अपनी बेहतरीन जोड़ी और प्रोफेशनलिज्म के चलते ये दोनों अक्सर लाइमलाइट में रहते हैं। फिल्मों की बात करें तो विजय को आखिरी बार बड़े पर्दे पर 'जना नायकन' में देखा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह उनके अभिनय करियर की आखिरी फिल्म मानी जा रही है, क्योंकि अब वह पूरी तरह से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में अपने राजनीतिक कर्तव्यों और जनसेवा की जिम्मेदारियों को संभाल रहे हैं। दूसरी ओर, अभिनेत्री तृषा कृष्णन अपने अभिनय सफर में लगातार सक्रिय हैं। हाल ही में उन्हें अभिनेता सूर्या के साथ फिल्म 'करुप्पु' में देखा गया था। इसके अलावा, उनके फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी यह है कि वह जल्द ही मेगास्टार चिरंजीवी के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विश्वंभरा' में नजर आने वाली हैं। इस फैंटेसी ड्रामा फिल्म का निर्देशन मलिदी वशिष्ठ कर रहे हैं, जबकि इसका जादुई संगीत जाने-माने संगीतकार एम.एम. कीरावनी ने तैयार किया है। हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने अभी तक इसकी आधिकारिक रिलीज डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन इसको लेकर दर्शकों में काफी उत्साह बना हुआ है।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में छाया सुनील ग्रोवर का अटल बिहारी वाजपेयी वाला रूप



नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने वाले लोकप्रिय कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का अगला एपिसोड काफी रोमांचक होने वाला है। इस हफ्ते शो के मंच पर कॉमेडी और ज्ञान का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा, क्योंकि इस बार मेहमान के रूप में जाने-माने शिक्षाविद् विकास दिव्यकीर्ति, लोकप्रिय अभिनेता पंकज त्रिपाठी और मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान नजर आने वाले हैं। सुनील ग्रोवर का नया अवतार बना चर्चा का विषय अपने बेहतरीन अभिनय और मिमिक्री के लिए जाने जाने वाले सुनील ग्रोवर ने इस बार एक ऐसा किरदार निभाया है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। शो के सामने आए प्रोमो में सुनील ग्रोवर देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आ रहे हैं। उन्होंने 'सरल बिहारी वाजपेयी' बनकर मंच पर एंट्री ली। उनके हाव-भाव, बोलने का अंदाज और गेटअप इतना सटीक था कि वहां मौजूद दर्शक, जज नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह भी अपनी हंसी और तारीफ रोक नहीं पाए। आगामी एपिसोड में दर्शकों को हंसी-मजाक के साथ-साथ कई दिलचस्प खुलासे भी देखने को मिलेंगे। शो के दौरान अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए नजर आएंगे। वह बताएंगे कि कैसे उनकी पहली मुलाकात विकास दिव्यकीर्ति से एक क्लासरूम में हुई थी। इसके अलावा, पंकज अपने शुरुआती दिनों के उन सपनों के बारे में भी बात करेंगे जब वे UPSC परीक्षा पास करने की इच्छा रखते थे। शो में जाकिर खान अपने चिर-परिचित अंदाज में दर्शकों को गुदगुदाते दिखेंगे। जब उनसे उनके कुंवारे होने को लेकर सवाल किया जाएगा, तो उनका जवाब सभी को ठहाके लगाने पर मजबूर कर देगा। वहीं, विकास दिव्यकीर्ति कॉमेडी और बुद्धिमत्ता पर अपने विचार रखते हुए नजर आएंगे। उनका मानना है कि एक अच्छे कॉमेडियन का आईक्यू (IQ) बहुत तेज होता है, जो लोगों को हंसाने की कला को और बेहतर बनाता है। इसके अलावा, कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा हमेशा की तरह अपनी कॉमिक टाइमिंग से शो में चार चांद लगाते नजर आएंगे।

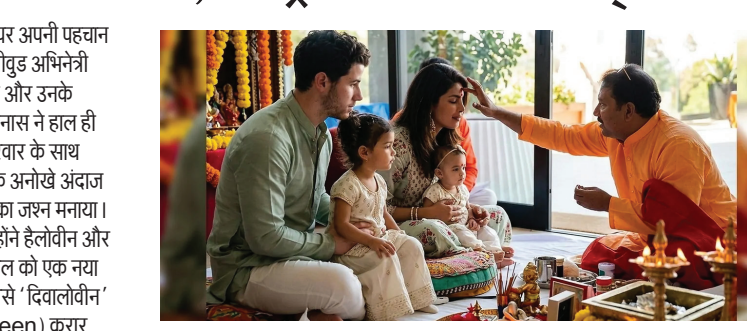
लाइव शो के दौरान स्टेज पर चढ़ा युवक

डरकर चीख पड़ीं पंजाबी सिंगर सुनंदा शर्मा



लाइव मंच पर परफॉर्म करने वाले कलाकारों के लिए कई बार असहज और अप्रत्याशित परिस्थितियां सामने आ जाती हैं। हाल ही में ऐसा ही एक वाकिया जयपुर में आयोजित एक लाइव म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान देखने को मिला, जहां मशहूर पंजाबी गायिका सुनंदा शर्मा को अचानक उपजे हंगामे के बीच अपनी परफॉर्मेंस रोककर मंच से नीचे उतरना पड़ गया। इस घटना का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है और लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना 30 अक्टूबर को जयपुर के बस्सी इलाके स्थित आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग (दयारामपुरा) में आयोजित एक भव्य म्यूजिक इवेंट के दौरान हुई। कॉन्सर्ट में सुनंदा शर्मा अपनी जादुई आवाज में एक के बाद एक हिट गाने गाकर वहां मौजूद छात्रों और दर्शकों का मनोरंजन कर रही थीं। पूरा माहौल बेहद उत्साह से भरा हुआ था और छात्र उनके गानों पर झूम रहे थे। सब कुछ सामान्य रूप से चल रहा था, तभी सुरक्षा व्यवस्था में सेंध लगाते हुए अचानक एक युवक बैरिकेडिंग तोड़कर सीधे मंच पर जा पहुंचा। सफेद शर्ट पहने इस अज्ञात शख्स को अचानक अपने बेहद करीब आते देख सुनंदा शर्मा बुरी तरह घबरा गईं और डर के मारे उनके मुंह से चीख निकल गई। स्थिति को भांपते हुए वहां मौजूद बाउंसर और सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए और दौड़कर उस युवक को मंच से नीचे उतारा। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बाद सुनंदा काफी असहज नजर आईं और उन्होंने अपनी टीम को शांत रहने की बात कहते हुए ज्यादा देर मंच पर रुकना उचित नहीं समझा और वहां से चली गईं। इस मामले को लेकर गायिका की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स दो गुटों में बंट गए हैं। कई लोगों ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, तो वहीं कुछ यूजर इस पर तंज कसते हुए नजर आए। एक यूजर ने हैरानी जताते हुए लिखा, 'यह सब ड्रामा हमेशा इन्हीं के शो में क्यों होता है?' वहीं कई अन्य लोगों ने इस घटना को पूरी तरह से 'स्क्रिप्टेड' करार दिया।

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनास ने बेटी मालती के साथ मनाया 'दिवालोवीन' जश्न, एक्ट्रेस के नए प्रोजेक्ट्स पर भी टिकी हैं नजरें



वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और उनके पति निक जोनास ने हाल ही में अपने परिवार के साथ मिलकर एक अनोखे अंदाज में त्योहारों का जश्न मनाया। इस बार उन्होंने हैलोवीन और दिवाली के मेल को एक नया नाम देते हुए इसे 'दिवालोवीन' (Diwaloween) करार दिया है। सोशल मीडिया पर इस सेलिब्रेशन की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें नन्ही मालती मैरी के लुक ने सबका ध्यान खींच लिया है। लॉस एंजिल्स स्थित अपने घर पर मनाए गए इस जश्न के दौरान प्रियंका, निक और उनकी बेटी मालती ने अलग-अलग और दिलचस्प कॉस्ट्यूम पहने। निक जोनास एक कूल काउबॉय के अवतार में नजर आए, जबकि उनकी बेटी मालती मैरी ने एक प्यारी सी 'घोस्ट प्रिंसेस' का कॉस्ट्यूम पहना था, जिस पर फैंस ने जमकर प्यार लुटाया। वहीं, प्रियंका चोपड़ा ने मशहूर मॉडल काइली जेनर के चर्चित 'किंग काइली' लुक को रीक्रिएट किया। प्रियंका ने इन खूबसूरत तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'एक अनोखा मेल। एक काउबॉय, एक घोस्ट प्रिंसेस और किंग काइली ट्रिक-ऑर-ट्रीटिंग के लिए निकले। सभी को हैलोवीन की शुभकामनाएं, दिवालोवीन सीजन आ गया है।' फैंस ने इस बात की भी सराहना की कि कैसे यह परिवार पश्चिम में रहते हुए भी अपनी भारतीय संस्कृति और त्योहारों—जैसे दशहरा और करवा चौथ—को पूरे उत्साह के साथ जीवित रखे हुए है। हाल ही में उनके घर पर हुए दशहरा पूजा और कन्या पूजन की तस्वीरें भी काफी चर्चा में रही थीं, जिसमें निक जोनास ने भी पूरी श्रद्धा से हिस्सा लिया था। त्योहारों के इस जश्न के अलावा प्रियंका चोपड़ा अपने पेशेवर जीवन को लेकर भी लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार इस साल (फरवरी 2026) प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई एक्शन फिल्म 'द ब्लफ' में देखा गया था, जिसमें उनके किरदार 'अर्सल बोडेन' को काफी पसंद किया गया था। अब दर्शकों को उनकी अगली बड़ी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है। प्रियंका जल्द ही निर्देशक एस.एस. राजामौली की बहुप्रतीक्षित एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'वाराणसी' के जरिए लंबे समय बाद भारतीय सिनेमा के पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। इस फिल्म में वह 'मंदाकिनी' के किरदार में नजर आएंगी और उनके साथ महेश बाबू तथा पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म अगले साल (7 अप्रैल 2027) को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

BRIFF NEWS

Umar, Sharjeel move SC for bail



New Delhi, Agency: Referring to the contradictory orders given by Supreme Court in the matter of bail to the accused on the ground of delay in trial and long incarceration for UAPA offences, which have been referred to a larger bench for authoritative pronouncement, former student activists Umar Khalid and Sharjeel Imam have moved SC for bail in 2020 Delhi riots cases.

The accused submitted that two co-accused, including Tasleem Ahmed, were granted bail by SC on the grou-nd that determination of the issues by the larger bench would take time, and they could not be made to suffer continued incarceration.

Seeking parity with the co-accused, Sharjeel Imam, who has already spent six years and nine months in custody, said in his petition, filed through advocate Fauzia Shakil, that two co-accused in the same FIR were released on interim bail by the court on May 22 under a principle which applies to him in greater degree.

The accused moved SC after their plea for bail was rejected by the trial court and Delhi High Court on the ground that the apex court had purportedly set a deadline of Jan 5, 2027, for them to file a bail petition.

Mulling panel to review UGC equity norms Government



New Delhi, Agency: The Centre told Supreme Court on Thursday that it is considering appointing a committee to review provisions of the UGC (Promotion of Equity in Higher Education Institutions) Regulations, 2026, the operation of which was stayed by SC saying its provisions could fuel divisions in society.

Solicitor general Tushar Mehta told a bench of CJI Surya Kant and Justice Joymalya Bagchi that govt was contemplating setting up an expert panel to revisit provisions of the regulations to ensure that "nobody has any apprehension or anyone is left dissatisfied".

The move appears to be aimed at assuaging the "hurt" among upper castes over having been excluded from among those who can complain against caste abuse ahead of polls in UP and Uttarakhand. Upper castes, a vocal constituency and an influential part of BJP's social base, argue that the "equity guidelines" framed at SC's instance, does not take into account the changed socio-economic conditions which have seen dominance shift to the newly-empowered OBCs, and would leave them vulnerable to harassment.

CJI Surya Kant said the provisions must ensure that "concerns of every student, the next generation and the young generation are addressed" appropriately. The SC adjourned hearing on a batch of petitions, including one filed by the mothers of Rohith Vemula and Payal Tadvi who committed suicide allegedly after failing to endure caste-based discrimination on college campuses.

'No impact on India-US ties': Tharoor says Trump retains power on tariffs, Iran war

New Delhi, Agency: Congress MP Shashi Tharoor on Friday said the results of the US midterm elections would have little impact on India-US relations, asserting that President Donald Trump retains considerable powers to pursue his foreign policy agenda despite the ruling party's electoral setback.Speaking in Thiruvananthapuram, Tharoor said the US election results would not change Washington's approach towards key issues such as tariffs, sanctions on countries buying Russian oil, the Iran war or the Ukraine conflict.

"Whether it comes to tariffs, whether it comes to sanctions for buying Russian oil, whether it comes to the Iran war itself, whether it comes to any initiative he takes on the Ukraine war. All of this, he's completely unaffected by the election result," Tharoor said.

On US Midterm Elections, Congress MP Shashi Tharoor says, "It's an amazing election result. Midterm elections in America are usually a time for course correction. That's



when basically every incumbent President, with very few exceptions, always has a setback. But a setback like this is almost a record. It's just been extraordinary. The ruling party lost both the House of Representatives and the Senate. In other words, both houses of Congress. There have been some astonishing changes. Texas, the Governor and the Senator both are Democrats. No one expected to see such a result. You've seen some remarkable results, including the first elected Muslim senator in Michigan, who is a son-in-law of India. He's from Egypt originally. We've got people from various minority communities getting into prominent positions: governors, Senators, Congresspeople. Since I'm standing in Thiruvananthapuram, a daughter of Thiruvananthapuram has become the mayor of Los Angeles. So between Los Angeles and New York, they're two biggest cities in America. We both have Mayors of Indian origin. It's quite incredible. It's in many ways a tribute to the vibrancy of American democracy. But those in India who are expecting this to have some impact on our relationship with the US, I think, are completely mistaken because, the way things work in America on foreign policy and international affairs, the President has an enormous amount of discretionary power. He absolutely has no power whatsoever to override Congress on budgetary matters; he can veto, but they can override...But when it comes to foreign policy, there's pretty much nothing they can do.

It's all about the Raman effect: From Transparent Chennai to City of Angels

Chennai, Agency: Around a decade and a half before Los Angeles elected her as its first Indian-origin mayor, Kerala-born Tamil Nithya Raman sat with residents of a south Chennai suburb to map the notorious traffic snarls that would routinely disrupt their lives. On Thursday, WhatsApp groups in Nanganallur were buzzing with messages claiming the face riding the crest of the blue wave along Southern California's glitziest skyline as one of their own.

Someone wrote in about being part of the group of 10-odd residents she interacted with regularly as an urban planner



helping find solutions to the suburb's civic problems. Another spoke of how "curious and eager" she was to understand local issues and use her expertise to resolve them.

"What we didn't know was that she would go on to be a politician and get elected as mayor of LA," said K Sankaran, ex-president of Thillai Ganga Nagar Residents' Welfare Association.

The distance between Los Angeles and the Tamil Nadu capital, separated by 7,800-odd nautical miles, wasn't the only one to be bridged by mutual celebration of a bright, young politician straddling different worlds. Around 830km from Nanganallur, at Kumarapuram in Thiruvananthapuram, a nondescript two-storey house in a narrow lane off the main road resonated with more personal insights into the Nithya story. It was here that the mayor-elect has stayed during multiple visits to meet her aunt Vanaja Sankar and other family members.

"She is a good girl who has always cared deeply for the family. She would make regular visits to her grandparents in West Fort till they were around. She never fails to visit me whenever she is in Thiruvananthapuram. I am her oldest surviving relative here," said Vanaja, showing family albums containing her now-famous niece's pictures. Nithya (45) moved to Louisiana with her parents as a six-year-old and became a US citizen by 22. Armed with an urban planning degree from Harvard University, she arrived in Chennai at 23 and founded Transparent Chennai, a civic initiative under Centre for Development Finance at Institute for Financial Management and Research.

SC: Constitution has primacy over special laws

New Delhi, Agency: The Constitution will prevail over all other laws and regulations, Supreme Court said on Thursday and made it clear that in case of any contradiction or conflict between constitutional provisions and special laws like NDPS, UAPA and PMLA, it is the former which will triumph.



It reiterated that the right to speedy trial was a fundamental right and could not be violated under any law and could be the ground for bail.

The bench of Justices Ujjal Bhuyan and A S Chandurkar faulted the apex court's earlier order, which held that under special statutes such as NDPS Act, an accused's right under Article 21 (speedy trial) must be exercised within the confines of Section 37 of the Act (stringent bail conditions) and cannot be invoked solely on the ground of prolonged delay to override Section 37.

The latest ruling comes amid sharp differences within the apex court over granting bail in PMLA, NDPS and UAPA cases on grounds of delay in trial, with the issue now before a larger bench.

Opposition planning unrest, says BJP after TV channel sting

New Delhi, Agency: BJP netas accused the opposition of plotting unrest after Times Now Navbharat aired its undercover sting, "Operation Regime Change", while Congress demanded concrete evidence.

BJP spokesman Gaurav Bhatia said the sting exposed alleged attempts at "regime change". He accused the opposition of preferring anarchy to democratic transfer of power. Citing alleged remarks by some of the people quoted in the sting, Bhatia warned of violent protests and Nepal-like events.

Maharashtra CM Devendra Fadnavis called the matter extremely serious and said the country would function only according to the Constitution. UP deputy CM Brajesh Pathak and Union ministers Chirag Paswan,



Prahlad Joshi and Giriraj Singh were among those who voiced concern.

Congress RS MP Pramod Tiwari said questions should be directed at people whose statements had surfaced in the sting and concrete evidence supporting the allegations should be presented. He said Congress was in favour of a democratic transfer of power. The channel said hidden-camera conversations recorded across India raised questions about possibility of attempts to initiate regime change outside democratic process.

Government buys time on UGC rules without committing to withdrawal or retention

New Delhi, Agency: Centre's move to consider a fresh review of the controversial UGC equity regulations are being seen as an olive branch to agitating upper caste groups, while giving BJP room to avoid a fresh caste controversy ahead of the assembly elections, particularly in Uttar Pradesh. The regulations, which extended specific protection against caste-based discrimination to OBCs alongside SCs and STs, had triggered protests among general category students who feared exclusion and possible misuse of the provisions.

Centre told Supreme Court Thursday that it was contemplating setting up a committee to reconsider the regulations, ensuring that no section of students felt excluded or apprehensive. The



move gives govt time to revisit the issue without committing itself to either withdrawing or retaining the rules.

A complete rollback has been a key demand of upper caste organisations, whose protests also caused unease within BJP. Union ministers J P Nadda and Jitendra Singh have been leading govt's outreach to agitating youth outfits. Both had met representatives of Kshatriya Karni Sena-led 'UGC Rollback Campaign' in Sept, after which a proposed mahapanchayat was postponed.

The Jan notification had caused resentment among sections of general category students who felt the regulations portrayed upper castes as the principal perpetrators of caste discrimination. The absence of a specific provision against false complaints added to their concerns.

At the heart of the controversy is the wording of the regulations. While one provision defines caste-based discrimination specifically as unfair treatment of SC, ST and OBC members, another prohibits discrimination against any student, including on caste grounds. General category students argue that this creates confusion over whether they would receive the same protection if they face caste-based discrimination.

Day after militants killing, Manipur launches search and cordon operations

New Delhi, Agency: Security forces Thursday launched a massive cordon and search operation in Manipur's Noney, a day after three militants were killed in a gunfight between rival Naga outfits. Over 500 personnel from Manipur Police, CRPF's CoBRA unit and Assam Rifles began the opera-



tion in Nungba and Kekru Naga areas. Elsewhere in state, thousands of Nagas rallied in Ukhrul and Kamjong demanding withdrawal of Assam Rifles from their areas, an end to the conflict, abrogation of a SoO pact with Kuki outfits and removal of deputy CM Nemcha Kipgen. Kipgen is a Kuki-Zo MLA.

EC rejigs work, new officer to oversee ECINet functioning

New Delhi, Agency: The Election Commission has reallocated work among its deputy election commissioners (DEC) and directors-general in view of the recent appointment of DEC Prakash Rajpurohit. DG (IT) Seema Khanna, who heads the division that manages the ECINet portal and application, will now put up all files regarding the IT/ICT and grievances divisions under her charge through senior DEC Pawan Kumar Sharma.

Sources in the commission said Khanna - whose name cropped up after Indian Express reported on Sept 23, 2026, that election commissioners S S Sandhu and Vivek Joshi had objected to the alleged "centralisation" of ECINET, with access restricted for even authorised field officers - was earlier putting up these files through senior



DEC Maneesh Garg, and before that through then DEC Sanjay Kumar.

Though Garg had, while officiating as DEC (administration) during the leave period of DEC Bhanu Prakash Yeturu in July, issued a work allocation order that allowed Khanna to no longer route her files through then DEC Sanjay Kumar, this order was never implemented after the two election commissioners S S Sandhu and Vivek Joshi objected. This is recorded in the affidavit filed recently by EC in the Supreme Court.

"The work redistribution orders issued by the officer concerned were never implemented after the orders of the two commissioners, and the oversight of the IT division by the DEC was never actually withdrawn," EC said in the affidavit issued with approval of the full commission.

Khanna, as a result, continued routing files through Sanjay Kumar, and after his stint with Election Commission ended, through Kumar's link officer Maneesh Garg.

Under the work reallocation order dated Nov 4, Pawan Kumar Sharma will be the new deputy election commissioner in-charge of the IT/ICT as well as grievance/PGRS divisions, and Khanna would put up files of these divisions through him.

Centre takes over 39.5 acres of land housing IAF's sports complex at Race Course



New Delhi, Agency: Indian Air Force has handed over 39.5 acres of land housing its sports complex at Race Course Air Force Station on Lok Kalyan Marg to Land and Development Office (L&DO). The prime land parcel located close to PM's residence has sporting facilities, such as a golf course, swimming pool and restaurants.

People aware of the development said complete take over of the green area has happened and now, a joi-nt survey will be conducted by Defence Estate Office, Indian Air Force and L&DO to determine the exact boundaries of the land and examine any variation in measurements.

This comes at a time when L&DO has expedited the process to get back land parcels close to PM's residence, which were earlier given on lease or were encroached, including those occupied by Delhi Race Club, Indian Polo Association and Delhi Gymkhana Club.

The sports complex was established in 1940s. Though there has been no official statement on the purpose of getting back the land parcel and its usage, officials said this is part of govt's "larger scheme of things" for the efficient use of prime land parcels for public and strategic purposes.